दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

क्या रोजाना 7–8 घंटे की नींद लेना ...8

सिद्धार्थनगर
शनिवार, 25 अप्रैल 2026
वर्षः 13 अंक : 127 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में योगी आदित्यनाथ का ऐलान–
टेक्नोलॉजी से यूपी किसान की आय बढ़ाएंगे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ शुक्रवार को एक क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन में भाग लिया, जिसमें कृषि क्षेत्र को बदलने में प्रौद्योगिकी, संस्थागत सुधारों और जमीनी स्तर पर भागीदारी के प्रभाव पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जोर केवल नीति बनाने पर नहीं बल्कि उनके वास्तविक कार्यान्वयन पर है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न कृषि–जलवायु क्षेत्र हैं। यदि इन अलग–अलग क्षेत्रों में सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, तो ठोस परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे। अब प्रयोगशाला को सफलतापूर्वक खेत तक, यानी सीधे खेतों तक ले जाया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के पास पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन पहलों को आगे बढ़ाने के लिए निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि जब भारत सरकार ऐसी पहलों का नेतृत्व करती है, तो राज्य सरकारें भी उसका अनुसरण करती हैं।

हमें अपने किसानों को अवसर प्रदान करने चाहिएय वे परिणाम देने के लिए तैयार और सक्षम हैं। 2017 में कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की स्थिति पर विचार करते हुए, उन्होंने याद किया कि उस समय 69 केंद्र थे और कई बंद होने की कगार पर थे। उन्होंने कहा कि उस समय तक कृषि विज्ञान केंद्रों के साथ मेरा अनुभव सकारात्मक नहीं रहा था। लेकिन आज, उत्तर प्रदेश के प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र ने कुछ न कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आजकल, ये वैज्ञानिक किसानों के साथ सीधे बातचीत करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर 8 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान लगातार घटता रहा है।

दिल्ली मेट्रो साइट्स पर प्रदूषण शिकायतों में आई 96 प्रतिशत की रिकॉर्ड गिरावट

दल्ली मेट्रो के निर्माण स्थलों और स्टेशन परिसरों से जुड़ी धूल प्रदूषण की शिकायतों में 2026 के पहले चार महीनों में भारी गिरावट आई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 640 से घटकर इस वर्ष मात्र 24 रह गई हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शिकायतों में गिरावट मेट्रो निर्माण क्षेत्रों और स्टेशनों में लागू किए गए धूल नियंत्रण उपायों, कड़ी निगरानी और त्वरित शिकायत निवारण प्रणाली के प्रभाव को दर्शाता है।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में मेट्रो विस्तार कार्य तेज होने के साथ–साथ धूल प्रदूषण से संबंधित शिकायतों में लगातार वृद्धि हुई, जिसमें 2022 में 945 शिकायतें, 2023 में 1378 और 2024 में 2180 शिकायतें दर्ज की गईं। हालांकि, आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 में शिकायतों की कुल संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई और यह घटकर 764 रह गईं। अधिकारी ने बताया कि इन 764 शिकायतों में से 640 शिकायतें अकेले एक जनवरी से 20 अप्रैल के बीच प्राप्त हुईं। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक रूप से, 2026 में इसी अवधि के दौरान केवल 24 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जो डीएमआरसी परिसर में धूल प्रदूषण को लेकर जनता की शिकायतों में उल्लेखनीय कमी दर्शाती हैं।

बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है टीएमसी का दीया

दमदम में दिखा पीएम मोदी का दमखम

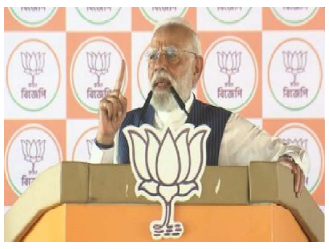

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महा जंगल राज के अंत की शुरुआत बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि 4 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार बनेगी। उन्होंने महिला मतदाताओं का भी आभार व्यक्त किया और टीएमसी को महिला–विरोधी पार्टी बताया। दम दम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी के गुंडों का हौसला पस्त हो गया है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनकी पार्टी चुनाव हारने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया

कि टीएमसी नहीं चाहती कि महिलाएं आगे बढ़ें और साथ ही कहा कि महिलाओं की सुरक्षा बीजेपी की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि भगवा पार्टी ने रत्ना देबनाथ को टिकट दिया है, जो आरजी कर रेप–मर्डर केस की पीड़िता की माँ हैं। कल बीजेपी के पक्ष में जो समर्थन देखने को मिला, उसने उसकी जीत का बिगुल बजा दिया है। पश्चिम बंगाल में, जहाँ टीएमसी ने अपने तानाशाही रवैये से लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था और उसे कमजोर कर दिया था, वहाँ की जनता ने पहले ही चरण में उस लोकतंत्र के मंदिर को फिर से बनाना शुरू कर दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा बंगाल की हर बहन–बेटी के सपनों को पूरा करने और उनका जीवन आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बंगाल की बहनों से भाजपा का सीधा वादा है कि भाजपा आपको सुरक्षा देगी, भाजपा आपको सम्मान देगी और भाजपा से ही आपको समृद्धि मिलने वाली है।

केजरीवाल के लिए बड़ा झटका!

राघव चड्ढा ने आप में की बगावत, दो तिहाई सांसदों संग बीजेपी में होंगे शामिल

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक 2022 से आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य

पाठक ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी छोड़कर केजरीवाल को बड़ा झटका दिया और भाजपा में शामिल हो गए। संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि हमने फैसला किया है कि राज्यसभा में आप के दो–तिहाई सदस्य होने के नाते हम भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे। राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल और संदीप हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी, जिसे मैंने अपने खून–पसीने से सींचा और जिसे मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए, अब अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल सिद्धांतों से पूरी तरह भटक चुकी है। पार्टी अब देश या राष्ट्रीय हित के लिए काम नहीं कर रही है, बल्कि निजी लाभ के लिए काम कर रही है। आपमें से कई लोग पिछले कुछ वर्षों से मुझसे यही कहते आ रहे हैं, और मैंने भी व्यक्तिगत रूप से महसूस किया है कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। मैं दोहराता हूं, श्मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं।श इसलिए, आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी से अलग हो रहा हूं और जनता के पास जा रहा हूं। राघव चड्ढा ने आगे कहा कि हम, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो–तिहाई सांसद, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करेंगे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से दो तिहाई से अधिक इस मामले में हमारे साथ हैं। उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं और आज सुबह हमने हस्ताक्षरित पत्र और दस्तावेज राज्यसभा अध्यक्ष को सौंप दिए हैं... उनमें से तीन आपके सामने उपस्थित हैं। हमारे अलावा, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी उपस्थित हैं।

सीईसी को मिलना चाहिए भारत रत्न, ज्ञानेश कुमार के लिए हिमंता ने ऐसा क्यों कहा?

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका की सराहना करते हुए इसे सुचारू चुनावी संचालन सुनिश्चित करने में उत्कृष्ट कार्य बताया है। एक्स पर एक पोस्ट में, सरमा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक संचालित किया, जिससे शांतिपूर्ण और व्यवस्थित चुनाव सुनिश्चित करने में योगदान मिला। सरमा ने लिखा कि चुनाव आयोग ने एसआईआर के संबंध में और शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित चुनाव सुनिश्चित करने में उत्कृष्ट कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सीईसी के योगदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा और असम में भी इसी तरह के संशोधन की वकालत की। यह पूछे जाने पर कि क्या ज्ञानेश अपने एसआईआर कदम के लिए पद्म के हकदार हैं, हिमंता ने कहा कि उनको तो भारत रत्न देना चाहिए... जो उन्होंने किया है... जितना सम्मान दिया जाएगा उतना कम हैं। सरमा ने बंगाल में भाजपा की झोली में 294 में से 200 सीटें आने की भी भविष्यवाणी की। हिमंत ने यह भी कहा कि वह सीईसी से असम में भी एसआईआर आयोजित करने का अनुरोध करेंगे। हिमंता का खंडन करते हुए कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि शुक्र है, उन्होंने (हिमंता बिस्वा सरमा) यह नहीं कहा कि वे शनि ग्रह पर भी चुनाव जीत जाएंगे। जहां तक घ्मुख्य चुनाव आयुक्त का सवाल है, सच्चाई यह है कि कोई चुनाव आयोग नहीं है। चुनाव आयोग भाजपा–एनडीए सरकार का एक विभाग है।

बंगलुरु के विकास में रोड़ा बने एयरपोर्ट नियम? डीके शिवकुमार ने राजनाथ सिंह से की सीधी बात

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और बेंगलुरु के रक्षा हवाई

अड्डों के आसपास लागू की जा रही ऊंचाई संबंधी पाबंदियों पर चर्चा की। उन्होंने दावा किया कि ये पाबंदियां शहर के शहरी विकास में बाधा डाल रही हैं। मुलाकात के दौरान, शिवकुमार ने चिंता व्यक्त की कि नियमों की वर्तमान व्याख्या के कारण बड़े क्षेत्रों, विशेष रूप से एचएएल और येलाहांका हवाई अड्डों के आसपास, पर ऊंचाई संबंधी सख्त पाबंदियां लगाई जा रही हैं। उन्होंने तर्क दिया कि ये प्रतिबंध शहर के मुख्य हिस्सों के विकास को प्रभावित कर रहे हैं और दीर्घकालिक आवागमन और नियोजन प्रयासों में बाधा डाल रहे हैं। एक्स पर हुई बैठक का विवरण साझा करते हुए शिवकुमार ने कहा कि नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बेंगलुरु के रक्षा हवाई अड्डों के आसपास निर्माण के लिए एनओसी जारी करते समय लगाए जा रहे ऊंचाई प्रतिबंधों के संबंध में एक सार्थक बैठक हुई। ये प्रतिबंध, विशेष रूप से एचएएल और येलाहांका हवाई अड्डों के आसपास, शहर के कई हिस्सों में विकास को प्रभावित कर रहे हैं।

केरल में हीटवेब का कहर, मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने की स्वयं लॉकडाउन की अपील

केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने शुक्रवार को लोगों से सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच स्वयं लॉकडाउन का पालन करने का आग्रह किया, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी लू की चेतावनी के बाद राज्य भर में तापमान लगातार बढ़ रहा है। अत्यधिक सावधानी बरतते हुए, विजयन ने निवासियों से दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने और अत्यंत आवश्यक होने पर ही बाहरी काम करने का आग्रह किया। कोविड–19 काल से तुलना करते हुए, उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस स्थिति को समान गंभीरता से लेना चाहिए। यह सलाह ऐसे समय में आई है जब मौसम विभाग ने केरल के कुछ हिस्सों में लू की स्थिति की चेतावनी दी है, जिसमें पलक्कड़, कोल्लम और त्रिशूर जैसे जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। उच्च आर्द्रता के स्तर ने कई अन्य क्षेत्रों में भी लू की समस्या को और बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने कहा कि उच्च तापमान और

आर्द्रता के संयुक्त प्रभाव ने स्थिति को विशेष रूप से असहज बना दिया है, जिससे लू से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। राज्य सरकार ने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, सीधे धूप में निकलने से बचने और उचित सावधानी बरतने का आग्रह किया है। मौसम विभाग ने इससे पहले 23 और 24 अप्रैल को केरल के कुछ इलाकों में लू चलने की चेतावनी दी थी, साथ ही आने वाले दिनों में तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों में गर्म और उमस भरे मौसम का पूर्वानुमान भी लगाया था। मौसम विभाग ने अपनी सलाह में शरीर में पानी की कमी न होने देने के लिए ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) और लस्सी व छाछ जैसे पारंपरिक पेय पदार्थों के सेवन की सिफारिश की। विभाग ने बुजुर्गों, बच्चों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों सहित संवेदनशील समूहों से अतिरिक्त सावधानी बरतने का आग्रह किया। साथ ही, मौसम विभाग ने केरल और आसपास के क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश से राहत मिलने की भी भविष्यवाणी की। 23 से 27 अप्रैल के बीच छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की हल्की बारिश होने की संभावना है, जिसके साथ गरज, बिजली और 30–50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। इसी तरह का मौसम 25 अप्रैल तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, और 23 और 24 अप्रैल को रायलसीमा और तेलंगाना में रहने की उम्मीद है। पूर्वानुमान अवधि के शुरुआती चरण में तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों के लिए बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है।

जनरल नरवणे के खुलासे से झूठ का पर्दाफाश? बीजेपी ने राहुल से पूछे तीखे सवाल

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा, जब पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने चीन के हाथों क्षेत्रीय नुकसान की बात को सिरे से खारिज कर दिया। फरवरी में संसद के बजट सत्र के दौरान, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जनरल नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीश से कुछ अंश उद्धृत करने का प्रयास किया। हालांकि, अध्यक्ष ने उन्हें रोक दिया क्योंकि उस समय पुस्तक प्रकाशित नहीं

हुई थी। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि नरवणे ने कहा है कि चीन को एक इंच भी जमीन नहीं दी गई। राहुल गांधी ने भ्रम फैलाया, लेकिन अब नरवणे ने अपनी चुप्पी तोड़कर राहुल गांधी के झूठ का पर्दाफाश कर दिया है। जनरल नरवणे का हवाला देते हुए भाजपा नेता ने इस बात पर जोर दिया कि 2020 में चीन के साथ हुए गतिरोध के दौरान सेना को राजनीतिक समर्थन प्राप्त था। जनरल नरवणे ने विवाद पर खुलकर बोलते हुए कहा कि अप्रकाशित दस्तावेजों का इस्तेमाल करके मुझे और सशस्त्र बलों को राजनीति में घसीटना पूरी तरह से अनुचित है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की जमीनी हकीकत और बीजिंग के साथ जारी सीमा तनाव के बारे में पूछे जाने पर जनरल नरवणे ने कहा कि सभी शंकाओं को एक ही बार में दूर करने के लिए, बस चीनियों से पूछिए कि क्या उन्होंने हाल ही में भारत में कोई बढ़त हासिल की है। फरवरी में, जनरल नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीश देश में राजनीतिक हलचल का केंद्र बन गई, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में इस पुस्तक के कुछ अंश उद्धृत करने का प्रयास किया। अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देने की अनुमति न मिलने के बाद, गांधी को सत्र के शेष समय के दौरान इसकी एक प्रति लाते हुए देखा गया।

पीएम मोदी का एसआईआर दांव पश्चिम बंगाल में हुआ फेल? रिकॉर्ड वोटिंग पर अरविंद केजरीवाल ने कसा तीखा तंज

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राजनीतिक प्रतिक्रिया पनप रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड मतदान के बाद मोदी जी की एसआईआर उन्हीं के खिलाफ जा रही है। केजरीवाल ने ग पर लिखा कि पश्चिम बंगाल में यह बात सामने आ रही है कि लोग ैप्ट के खिलाफ मजबूती से वोट डाल रहे हैं। मोदी जी का **SIR** उन्हीं के खिलाफ हो रहा है। उनकी यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा गुरुवार को यह घोषणा करने के कुछ ही समय बाद आई कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान

हुआ है, क्योंकि मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत – चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है। विधानसभा चुनावों के लिए मतदान गुरुवार शाम को समाप्त हो गया। भारतीय चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण में तमिलनाडु के 84.80 प्रतिशत की तुलना में 91.91 प्रतिशत का उल्लेखनीय रूप से उच्च मतदान दर्ज किया गया। उच्च मतदान सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जिनमें दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक 94.85 प्रतिशत, उसके बाद कूच बिहार में 94.54 प्रतिशत, बीरभूम में 93.70 प्रतिशत, जलपाईगुड़ी में 93.23 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद में 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

ग्राम चौपाल में डीएम ने सुनी समस्याएं, मौके पर समाधान के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में इटवा विकास खंड के ग्राम पंचायत कठेला गर्वी में "ग्राम चौपाल गांव की समस्या, गांव में समाधान" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।कार्यक्रम में जिलाधिकारी का स्वागत खंड विकास अधिकारी द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। चौपाल को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा है कि गांवों में ही समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने सीमा क्षेत्र के गांवों में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी, सड़क सुविधा तथा किसानों के गेहूं की खरीद सरकारी एमएसपी पर सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों से फार्मर रजिस्ट्री कराने की अपील करते हुए कहा कि इससे खाद, बीज सहित अन्य सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं, जिससे उन्हें पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार का लाभ मिल सके। इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं किसान सम्मान निधि से संबंधित समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि यदि किसी को वृद्धा, विधवा या दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है तो वह मौके पर जानकारी दें, संबंधित अधिकारी तत्काल समाधान करेंगे। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील की गई। राशन वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने, वरासत एवं भूमि विवादों का समयबद्ध निस्तारण करने, तथा जन्म, आय, जाति व निवास प्रमाण–पत्र निर्धारित समय में जारी करने के निर्देश भी दिए गए। आपदा राहत एवं कृषक दुर्घटना बीमा योजना का लाभ दिलाने पर भी जोर दिया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि शादी–विवाह वाले परिवार उपजिलाधिकारी व पूर्ति निरीक्षक से संपर्क कर आवश्यकतानुसार गैस सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं। ग्राम चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, उपकृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी गणेश प्रसाद, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन का बैठक आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन का बैठक आज शनिवार को 10 बजे उसका ब्लॉक सभागार में होगा। यह जानकारी प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष श्रीश प्रताप यादव ने दी इन्होंने बताया कि यह मासिक बैठक है इसमें सभी ग्राम सभा के प्रधान अत्यंत ही महत्वपूर्ण है इस बैठक में सभी ग्राम सभा के प्रधान मौजूद रहेंगे।

उसका बाजार की पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। पुलिस की सक्रियता से शुक्रवार को उसका बाजार कस्बा रेलवे क्रॉसिंग से चोरी करने वाले अभियुक्त को पुलिस गिरफ्तार कर लिया । पुलिस के अनुसार ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल में श्रीमदभागवत कथा चल रह रहा था 21 अप्रैल को मध्य रात्रि में जनरेटर चोरी हो गया था यह जानकारी मिली थी कि जोगिया पुलिस के गस्त के दौरान जेसीबी और जनरेटर पकड़ा गया है ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल के प्रबंधक ने अपने जनरेटर की पहचान की 22 अप्रैल को पीड़ित ने लिखित तहरीर दी थी जिसके पुलिस ने बीएनएस के अंतर्गत अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया था । थाना प्रभारी हरे कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर टीम गठित की गई थी सूचना मिला कि एक व्यक्ति दो जनरेटर सेट एक जेसीबी से जा रहा है पुलिस सक्रियता दिखाते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया है।

जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक सम्पन्न, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति/जिला कन्वर्जेंस समिति की बैठक कैम्प कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में विगत माह की अनुपालन आख्या की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि शत–प्रतिशत फेस वेरिफिकेशन सुनिश्चित किया जाए। बीएचएनडी दिवस के दौरान सैम बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा पोषण ट्रैकर और ई–कवच पोर्टल पर समय से डाटा फीडिंग की जाए। सभी लाभार्थियों को टेक होम राशन (टीएचआर) का नियमित वितरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बीएचएनडी दिवस पर पोषाहार वितरण के साथ गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित कर उसकी ऑनलाइन फीडिंग भी कराई जाए। टीएचआर प्लांट द्वारा प्रतिदिन उत्पादन सुनिश्चित करने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों को समय से खोलने के निर्देश भी दिए गए। प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक लाभार्थियों को जोड़ने, गर्भवती महिलाओं एवं सैम–मैम बच्चों का पूरा विवरण दर्ज करने तथा आशा, आंगनबाड़ी और एएनएम की नियमित बैठकें आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि डाटा फीडिंग शत–प्रतिशत होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि वीएचएनडी के माध्यम से सैम व मैम बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए और गंभीर रूप से कुपोषित (सैम) बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराया जाए। साथ ही होम विजिट एवं पोषण ट्रैकर की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में डीसी मनरेगा संदीप सिंह, डीसी एनआरएलएम देवनंदन दुबे, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, समस्त सीडीपीओ, सुपरवाइजर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने बूढ़ी नदी के तट पर कटाव निरोधक कार्य का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा बूढ़ी नदी के बाएं तट पर स्थित ग्राम महरथा एवं बैजनथा में कराए जा रहे कटाव निरोधक कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा उपयोग में लाई जा रही सामग्री की गुणवत्ता की भी जांच की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कटाव निरोधक कार्य को पूरी पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण कटाव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है, इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने विशेष रूप से उन स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए, जहां कटाव की आशंका अधिक है। साथ ही अधिकारियों को कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने और समय–समय पर समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह कार्य ग्रामीणों की सुरक्षा एवं उनकी आजीविका से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। संबंधित अधिकारियों ने अवगत कराया कि कार्य तेजी से प्रगति पर है और निर्धारित समय सीमा के भीतर इसे पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता ड्रेनेज खंड कृपा भारती सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय हिंदू परिषद के प्रदेश महामंत्री अनिल सिंह बीमार लोगों का हाल जाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। सिद्धार्थनगर मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में आज अखिल भारतीय हिंदू परिषद के प्रदेश महामंत्री अनिल सिंह पहुंचकर वहां एडमिट। सीरियस मरीजों का हाल–चाल जाना तथा। उन मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर से समुचित इलाज करने को कहा। जिससे मरीजों को गोरखपुर ना जाना पड़े। साथी ही माननीय मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि माननीय मुख्यमंत्री जी मेडिकल कॉलेज में एम आर आई की मशीन अभिलंब लगवाने की कृपा करें क्योंकि इलाज में जब एम आर आई जांच की आवश्यकता पड़ती है यह जांच करवाने मरीज को गोरखपुर जाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीज को गोरखपुर जाने में और वहां जांच करवाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिससे उन लोगों को भागदौड़ से निजात पाया जा सके। इस बात को लेकर काफी सक्रिय दिखाई दे रहे हैं अनिल सिंह।

बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं, प्रशासन के सख्त निर्देश जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में यह जानकारी प्राप्त हो रही है कि कुछ बाइक चालक बिना हेलमेट एवं ड्राइविंग लाइसेंस के देर रात पेट्रोल पंपों पर बार–बार पहुंचकर निजी लाभ के लिए पेट्रोल का दुरुपयोग व तस्करी कर रहे हैं। ऐसी गतिविधियां न केवल अवैध हैं, बल्कि आम जनता के लिए ईंधन की उपलब्धता को प्रभावित करने के साथ–साथ कानून–व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन सकती हैं। इस संबंध में जनहित में प्रशासन द्वारा सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। "हेलमेट नहीं तो ईंधन नहीं" नियम को तत्काल प्रभाव से लागू करने को कहा गया है। सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया गया है कि बिना हेलमेट आए दोपहिया चालकों को ईंधन न दिया जाए। साथ ही, वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की यादृच्छिक जांच भी सुनिश्चित की जाए, ताकि अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। सीमावर्ती क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, जहां पड़ोसी जनपदों जैसे बलरामपुर एवं नेपाल से भी ग्राहक आते हैं। ऐसे स्थानों पर अतिरिक्त निगरानी एवं आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी क्षेत्राधिकारी (ब्) एवं थाना प्रभारी (भ्ट/ट) को अपने–अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त व निरीक्षण करने तथा प्रशासन, आपूर्ति विभाग, पेट्रोल पंप संचालकों एवं आम जनता के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में ईंधन की आपूर्ति पर्याप्त है, इसलिए इसका उपयोग केवल वास्तविक जरूरतमंदों तक ही सीमित रखा जाए और किसी भी प्रकार के दुरुपयोग पर सख्ती से रोक लगाई जाए।

रुधौली में आजाद समाज पार्टी के नेता डॉ. मोहम्मद आकिब ने तेज किया जनसंपर्क, शोकाकुल परिवार से की मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद के रुधौली विधानसभा क्षेत्र में आजाद समाज

पार्टी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एवं भावी प्रत्याशी डॉ. मोहम्मद आकिब ने अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लगातार भ्रमण कर वे लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं और उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान का भरोसा दे रहे हैं। जनसंपर्क अभियान के दौरान डॉ. आकिब न केवल राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, बल्कि क्षेत्रवासियों के सुख–दुख में भी बराबर की भागीदारी निभा रहे हैं। इसी क्रम में वे ग्राम विशुनपुरा पहुंचे, जहां हाल ही में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौलाना अली हुसैन और उनकी पत्नी के इंतिकाल की दुखद सूचना पर उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। डॉ. मोहम्मद आकिब ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। उन्होंने प्रार्थना करते हुए कहा कि मरहूमीन की मग़फ़िरत फरमाए, उन्हें जन्नत में आला मुकाम अता करे और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में सब्र और हिम्मत प्रदान करे। इस दौरान उनके साथ पार्टी के कई स्थानीय कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद रहे। क्षेत्र में डॉ. आकिब की सक्रियता और लोगों के बीच लगातार मौजूदगी को लेकर समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है। जनसंपर्क अभियान के माध्यम से वे आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी मजबूत दावेदारी भी पेश कर रहे हैं।

छात्रों की शानदार उपलब्धि, जिले के टॉप–10 में बनाई जगह

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। बहराइच जनपद के लिए गर्व की बात है कि आस्था मौर्य और सूर्यांश शुक्ला ने माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले के टॉप–10 मेधावी छात्रों में अपनी जगह बनाई है। दोनों ही प्रतिभाशाली विद्यार्थी राम प्रकाश इंटर कॉलेज, सुहेलवा (पयागपुर) के छात्र रहे हैं। विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य आसाराम यादव ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए बताया कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्ःष्ट रहा है। छात्रों ने न केवल बेहतर अंक हासिल किए, बल्कि विद्यालय का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शैक्षणिक स्तर काफी ऊंचा है और यहां का अनुशासन पूरे पयागपुर क्षेत्र में उदाहरण माना जाता है। सभी शिक्षक पूरे समर्पण और मनोयोग से विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करते हैं, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है। इस सफलता पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने उठाई स्मार्ट मीटर व बिजली कटौती की समस्या, विभाग ने दिया आश्वासन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर में बढ़ती बिजली समस्याओं को लेकर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से सीधा संवाद किया। उनके साथ सैकड़ों पीड़ित महिलाएं भी मौजूद रहीं, जिन्होंने अपनी समस्याएं मजबूती से रखीं। राना दिनेश प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिल में अत्यधिक वृद्धि हो रही है। वहीं नगर पंचायत को स्वतंत्र फीडर से जोड़ने में विभागीय लापरवाही के कारण अनावश्यक देरी हो रही है। उन्होंने बताया कि नगर के तीन वार्ड अब तक मुख्य फीडर से नहीं जुड़ सके हैं, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई लाइनमैन बिना पैसे लिए खराब लाइन ठीक करने नहीं आते। विजिलेंस छापेमारी के नाम पर उपभोक्ताओं से अवैध वसूली की जा रही है और व्यापारियों का उत्पीड़न हो रहा है। कई मोहल्लों में आज भी बांस–बल्ली के सहारे विद्युत आपूर्ति हो रही है, जो किसी भी समय हादसे का कारण बन सकती है। ओम फिलिंग पेट्रोल पंप के आसपास समेत कई इलाकों में कम क्षमता के ट्रांसफार्मर लगे होने से बिजली सप्लाई बेहद कमजोर है। अनियमित कटौती से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। रात्रि में बिजली खराब होने पर किसी कर्मचारी या अधिकारी से संपर्क न हो पाने से स्थिति और गंभीर हो जाती है। आंबेडकर नगर वार्ड में सड़क किनारे ट्रांसफार्मर लगाए जाने से चारपहिया वाहनों का आवागमन बाधित हो रहा है। साथ ही स्थायी अवर अभियंता की तैनाती न होने से समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। घंटों चली वार्ता के बाद अधिशासी अभियंता इंजीनियर अरुण सिंह ने एक सप्ताह के भीतर सभी समस्याओं के त्वरित एवं स्थायी समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटरों की जांच कराई जाएगी और सभी वार्डों की समस्याओं के निस्तारण के लिए विशेष टीम गठित की जाएगी। इस दौरान सभासद राजेश पाण्डेय, राजकुमार चौधरी, महिला नेता मीना निषाद सहित बड़ी संख्या में लोग कार्यालय में मौजूद रहे और अपनी नाराजगी जताई।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के तेतरी बाजार स्थित श्री सिंहेश्वरी इंटर कॉलेज में मेधावी विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार द्वारा फूलमाला पहनाकर एवं मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंटरमीडिएट में अंकुश गुप्ता (84.4 प्रतिशत), अनुराग कुमार यादव (81.2 प्रतिशत), अर्चिता (80.6 प्रतिशत), सरस्वती (79.6 प्रतिशत) और दिव्यांशी पासवान (79.4 प्रतिशत) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं हाईस्कूल में अनुष्का (92.33 प्रतिशत), तहेरा बानो (84.33 प्रतिशत), तहसीम फातिमा (82.66 प्रतिशत), अब्दुल कलाम (81.5 प्रतिशत), अंजलि (79.5 प्रतिशत), अंकिता (79 प्रतिशत), देवांश (77.3 प्रतिशत) और आर्यन (77.3 प्रतिशत) ने अच्छे अंक हासिल किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य विनय अनमोल ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनके अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी छात्र–छात्राएं भविष्य में भी इसी लगन और आत्मविश्वास के साथ सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक संजय सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. हृदय नारायण मिश्र, रणजीत चौधरी, बृजेश मणि त्रिपाठी, डॉ. प्रकाश श्रीवास्तव, राम उजागिर, डॉ. रंजनी रंजन, गिरजेश कुमार सिंह, महेंद्र, मानसिंह, रामकरन, मधुरेंद्र कुमार मिश्र, विनय कुमार गुप्त, श्रीमती रश्मि पाण्डेय, अंकित कुमार यादव, बृजेश कुमार, संतोष कुमार, वरिष्ठ लिपिक सतीश कुमार गुप्त और कन्हैया लाल सहित समस्त विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी - मुख्य विकास अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जलवायु परिवर्तन आज के समय में भविष्य के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है, जिससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। जनपद में पराली जलाने की बढ़ती घटनाएं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि, वायु गुणवत्ता में गिरावट तथा मृदा की उर्वरता प्रभावित हो रही है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियों के सामने गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। उक्त विचार मुख्य विकास अधिकारी श्री बलराम सिंह ने व्यक्त करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन अब एक वैश्विक चुनौती बन चुका है, जिसका प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों सहित आम जनजीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने जागरूकता, समय पर तैयारी और सामुदायिक सहभागिता को आपदा से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय बताया। उन्होंने कहा, "हम सभी को प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित और जिम्मेदार उपयोग करना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण मिल सके।" उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन, पराली प्रबंधन, सौर ऊर्जा तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिनकी सफलता के लिए व्यापक जनसहभागिता आवश्यक है। यह विचार उन्होंने गौतम बुद्ध जागृति समिति एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला में व्यक्त किए, जिसका उद्देश्य आपदाओं से निपटने के लिए समुदाय की अनुकूलनशीलता और लचीलापन को सुदृढ़ करना था। संस्था के सचिव श्री श्रीधर पांडेय ने आपदा पूर्व तैयारी पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा एक सुदृढ़ आपदा रेडीनेस योजना विकसित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्वयंसेवकों एवं समुदाय को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कम्युनिटी रिस्क रजिस्टर की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसके माध्यम से गांव स्तर पर जोखिमों

की पहचान, संवेदनशील परिवारों का चिन्हांकन तथा आपदा के दौरान त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सकती है। श्री पांडेय ने जनपद से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण एवं चिंताजनक आंकड़े भी साझा किए, जिनमें बढ़ती गर्मी, बार–बार आने वाली हीट वेव, घटता हरित क्षेत्र, घटते जल धारण क्षेत्र (ताल , पोखरे) बढ़ते ट्यूबेल के कारण पर्यावरणीय असंतुलन हो रहा है। इसके लिए यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी सुश्री पुष्पांजलि सिंह ने जनपद की समग्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण योजना तथा विशेष रूप से हीट वेव एक्शन प्लान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए जनपद में विशेष तैयारियां की जा रही हैं, जिनमें जनजागरूकता अभियान, सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल एवं छाया की व्यवस्था, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं श्रमिक स्थलों के समय में आवश्यक परिवर्तन तथा स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी शामिल हैं।उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय को विभिन्न आपदाओं के प्रति लचीलापन विकसित करना होगा तथा आधुनिक तकनीकों और समय पर सूचना प्रणाली का अधिकाधिक उपयोग करना आवश्यक है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान, आईसीडीएस, यूपीनेडा, व्यापार संगठन एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विभागीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। सभी प्रतिभागियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रयास, बेहतर समन्वय और जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि जनपद सिद्धार्थनगर को एक सुरक्षित, सक्षम एवं जलवायु–लचीला जिला बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग और संस्थाएं मिलकर निरंतर प्रयास करेंगी।

बभनी व लुचुईयाँ में चौपाल लगाकर अधिकारियों ने दी योजनाओं की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत बभनी एवं लुचुईयाँ में गाँव की समस्या, गाँव में समाधान के उद्देश्य से ग्राम चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। बभनी में चौपाल की अध्यक्षता सचिव अजय भारतीया ने की, जबकि लुचुईयाँ में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा ने की। कार्यक्रम का संचालन सचिव रामस्वरूप गुप्ता द्वारा किया गया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। साथ ही ग्रामीणों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, व्यक्तिगत शौचालय, मनरेगा योजना तथा विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए साफ–सफाई बनाए रखने का संदेश भी दिया गया। बभनी में आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार एवं मसाला पाउडर जैसे गृह उद्योगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके साथ ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही साइबर क्राइम से बचाव को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर सचिव अजय भारतीया, बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला, डॉ पवन मिश्रा, सचिव रामस्वरूप गुप्ता, स्वास्थ्य विभाग के बीरेंद्र प्रताप पुरी, दुर्गेश यादव, राजस्व निरीक्षक अरविन्द चौबे, बीडीसी संजय मिश्रा, सफाई कर्मी राज बहादुर, घनश्याम, पंचगुलाम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण रामदेव, रामजीत, पार्वती देवी, केवलपाती, शिवपूजन, कुमकुम मिश्रा, सुरसती मिश्रा, घमालू, चौनमती आदि उपस्थित रहे।

नो हेलमेट–नो पेट्रोल अभियान फेल, बिना नंबर प्लेट व हेलमेट के भर रहा तेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए चलाया जा रहा "नो हेलमेट, नो पेट्रोल" अभियान बढ़नी क्षेत्र में दम तोड़ता नजर आ रहा है। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कई पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट और बिना नंबर प्लेट वाले दोपहिया वाहनों को खुलेआम पेट्रोल दिया जा रहा है, जिससे नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के कई पेट्रोल पंपों पर पंप कर्मी बिना किसी रोक–टोक के बाइक चालकों को पेट्रोल दे रहे हैं। हालांकि कुछ पंपों पर औपचारिकता निभाते हुए हेलमेट रखकर वाहन चालकों को पहनाकर पेट्रोल दिया जा रहा है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर नियमों का पालन नहीं हो रहा। गुरुवार को एसडीएम विवेकानंद मिश्र, सीओ मयंक कुमार द्विवेदी, थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद व चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार यादव ने नगर पंचायत बढ़नी स्थित विजया ऑटोमोबाइल्स का निरीक्षण किया। इस दौरान कई बाइक सवार बिना हेलमेट और बिना आगे नंबर प्लेट के पेट्रोल भरवाते नजर आए। निरीक्षण के दौरान जब मीडिया ने सवाल पूछे तो जिम्मेदार अधिकारी स्पष्ट जवाब देने के बजाय टालमटोल करते दिखे। सूत्रों के मुताबिक, सीमा क्षेत्र होने के कारण नेपाली नागरिक बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों से आकर पेट्रोल भरवाते हैं और कच्चे रास्तों से नेपाल चले जाते हैं। नेपाल में पेट्रोल की कीमत भारत की तुलना में 30 से 40 रुपये प्रति लीटर अधिक होने के कारण यहां से पेट्रोल ले जाकर महंगे दामों पर बेचने की आशंका भी जताई जा रही है। इसके चलते स्थानीय पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ बढ़ रही है। इसके अलावा अन्य पेट्रोल पंपों पर भी नेपाली नंबर प्लेट की गाड़ियां भीड़ में घुसकर चोरी–छिपे पेट्रोल भरवाने की कोशिश करती देखी जा रही हैं, जिस पर पर्याप्त निगरानी नहीं हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन ने जनपद के सभी पेट्रोल पंपों पर सख्ती से हेलमेट व ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) की जांच करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले पंप संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शोहरतगढ़ पुलिस ने महिलाओं को दी कानून और अधिकारों की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत शोहरतगढ़ पुलिस ने नगर पंचायत के नीबी दोहनी में जन चौपाल व बहू–बेटी सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया। क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन व उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं व बच्चियों को अपराधों से बचाव, आत्मरक्षा के उपाय तथा कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट सहित महिला संबंधी मामलों में पीड़िताओं की काउंसलिंग भी की गई। साथ ही मिशन शक्ति केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि महिलाएं अपनी समस्याएं थानों पर स्थापित केंद्रों में दर्ज करा सकती हैं। कार्यक्रम में विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090 (वुमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) व 1930 (साइबर हेल्पलाइन) आदि की जानकारी दी गई। इसके अलावा बाल विवाह, लैंगिक समानता, जनसंख्या संतुलन और यातायात नियमों के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उप निरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, कांस्टेबल पवन मौर्य, महिला कांस्टेबल साक्षी सिंह व उर्मिला देवी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

लंबित भुगतान व कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर प्रधानों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को शोहरतगढ़ ब्लॉक परिसर में राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन, उत्तर प्रदेश के बैनर तले क्षेत्र के ग्राम प्रधानों की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानों की विभिन्न समस्याओं, अधिकारों और लंबित भुगतानों को लेकर जोरदार तरीके से आवाज उठाई गई। इस दौरान संगठन पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपते हुए कार्यकाल बढ़ाने, लंबित भुगतान कराने सहित कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष ताकीब रिज़वी ने कहा कि ग्राम प्रधानों ने बीते पांच वर्षों में पूरी निष्ठा के साथ कार्य किया है और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाया है। ऐसे में सरकार को प्रधानों के हित में उनका कार्यकाल बढ़ाने पर विचार करना चाहिए, ताकि विकास कार्यों की निरंतरता बनी रहे। प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्रा ने जनपद में लंबित विकास कार्यों और भुगतान को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम प्रधान पर लगभग 15 से 20 लाख रुपये तक का भुगतान बकाया है, जिससे गांवों में विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थनगर में मनरेगा के तहत अरबों रुपये का भुगतान लंबित है, जिससे ग्राम पंचायतों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है और मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने प्रशासन और शासन से मांग की कि लंबित भुगतान को जल्द से जल्द जारी किया जाए, ताकि गांवों में विकास कार्यों को गति मिल सके। डॉ. मिश्रा ने कहा, "प्रधानों का दर्द समझने वाला कोई नहीं है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।" कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला महामंत्री सुनील सिंह और ब्लॉक अध्यक्ष जफर आलम ने प्रधानों की समस्याओं और अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ग्राम प्रधान अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं हो रही है। विकास कार्यों के भुगतान में देरी, प्रशासनिक दबाव और योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसके साथ ही, प्रधानों को उनके अधिकारों के अनुरूप सम्मान और सहयोग भी नहीं मिल पा रहा है। दोनों पदाधिकारियों ने बकाया भुगतान शीघ्र जारी करने और प्रधानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो प्रधान संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि 26 मई 2026 के बाद ग्राम प्रधान को ही प्रशासक माना जाए अथवा उनका कार्यकाल बढ़ाया जाए। इसके साथ ही मनरेगा एवं ग्राम निधि के अंतर्गत कराए गए कार्यों का तत्काल भुगतान कराने, चुनावी वर्ष में ग्राम चौपाल कार्यक्रम पर रोक लगाने, पंचायत कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप बंद करने तथा ग्राम निधि और मनरेगा की आईडी तत्काल जारी कर कार्य शुरू कराने की मांग भी उठाई गई। जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्रा ने बताया कि जनपद के सभी ब्लॉकों में इसी तरह बैठकें आयोजित की जाएंगी और प्रधानों की मांगों को उच्च अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा, ताकि कार्यकाल बढ़ाने सहित अन्य समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर शिवलाल प्रजापति, रामदास आर्य, शीला चौरसिया, सुभाष चंद्र यादव, शीला कुमारी, गंगाधर मिश्रा, किस्मत अली, सुभाष यादव, अब्दुल रशीद, रामू साहनी, अजय कुमार मिश्रा, करम हुसैन, संजय कुमार, मीरा देवी, राममिलन चौधरी, अवनिंद्र चौधरी, ओसामा, राजेंद्र पाल, अनिल कुमार पांडेय, पवन कुमार, कैलास प्रसाद, रामधारी त्यागी, शिवशंकर चौधरी, अब्दुल अजीज, गिरजेश चौधरी, कमलेश दुबे, राजनेत चौरसिया, विंध्याचल गिरी सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

शोहरतगढ़ में बहू–बेटी सम्मेलन, बालिकाओं को सुरक्षा का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र में मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से बहू–बेटी सम्मेलन व चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद तथा क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत रामकुमार खैतान बालिका इंटर कॉलेज, शोहरतगढ़ में करीब 70 छात्राओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की जानकारी दी गई। दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट तथा महिला संबंधी अपराधों में सहायता व काउंसलिंग की प्रक्रिया पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान 1090 (वुमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) व 1930 (साइबर हेल्पलाइन) सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए। कार्यक्रम में बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव, लिंगानुपात व महिला सुरक्षा से जुड़े नए कानूनों के प्रति भी जागरूक किया गया। साथ ही छात्राओं को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया।इस मौके पर उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, कांस्टेबल पवन मौर्य, महिला कांस्टेबल शोभा भारती व उर्मिला देवी सहित पुलिस विभाग के अन्य कर्मी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुरूप नहीं हैं। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले–भुने खाने ने मोटापे को बढ़ाया है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से...

आधी आबादी का गिरफ्त में आना चिंताजनक

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त–त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान–पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे–धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार–प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं। विडंबना यह है कि हमने परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी करके पश्चिमी व चीनी खाद्य विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है। जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुरूप नहीं हैं। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले–भुने खाने ने मोटापे को बढ़ाया है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से हमारी नींद में खलल पड़ा है। नींद पूरी न होने से तनाव व अवसाद बढ़ा है। हमारा देर से भोजन करना, देर से सोना और सुबह देर से उठना भी रोगों का कारक बना है। हमने जबसे खाने में पारंपरिक पौष्टिकता के बजाय स्वाद को प्राथमिकता देनी शुरू की है, तभी से शरीर में जरूरी विटामिनों की कमी बढ़ी है। प्रदूषित खान–पान की भी इस संकट में भूमिका है। वहीं सहज–सरल व्यवहार हमारे स्वस्थ होने की गारंटी है।

सुर्खियों की सरताज झालमुरी और मतमूढ़ि

किसी कुशल अदाकारा की तरह नैन मटकाते बोली, 'देखो वोटर लाल! हर चीज दो तरह की होती है। एक दिखाने वाली, दूसरे खाने वाली। तुम्हें कौन–सी चाहिए? बंधुओ! बाजारी जीव होने के चलते इन दिनों मैं बाजार–बाजार मीडिया चर्चित झालमुरी को वैसे ही ढूंढ रहा हूं जैसे कस्तूरी मृग वन–वन भटकता कस्तूरी ढूंढ़ता रहता है, पर एक झालमुरी है कि न वह मुझे बाजार में कहीं मिल रही है, न उसको बनाने वाला मसाला। दोनों बाजार से पता नहीं कहां गायब हो गए हैं? मसाले के बिना कुछ भी स्वाद नहीं बनता। न चाय, न चुनाव! दोनों को मसाला ही जायकेदार बनाता है। जिन खोजा तिन पाइया, गहरे पानी पैठ! आखिर बड़ी दौड़धूप के बाद झालमुरी मृग को झालमुरीश्री मिल ही गई। वाह! क्या इतराती हुई! क्या बलखाती हुई! उसके अंग–अंग से ललचाता स्वाद टपक रहा था। हिंदी सिनेमा की किसी हिट नायिका की तरह। जिस तरह सिने जगत में किसी को भी हिट होते देर नहीं लगती उसी तरह चुनावी दिनों में किसी भी चीज को हिट होते देर नहीं लगती। वह मेरे सामने तो मैं उसके सामने! मतलब हम दोनों एक–दूसरे के सामने। तब उसे देख मत पूछो मेरे क्या हाल! आखिर बड़ी देर तक मैं घबराता, शरमाता उसे एकटक निहारता रहा तो उसने मुझसे पूछा, 'वोटर लाल! क्या चाहिए?' मैं चुप! अब गूंगा गुड़ उच्चारे तो कैसे उच्चारे? बहुत देर बाद, बहुत कोशिश के बाद मेरे उसके बंधे होंठ खुले तो सबसे पहले उसे नमन किया। 'हे झालमुरी! तुम धन्य हो गई। तुम्हारे दर्शन पा मैं भव बाजार पार हो गया।' 'जल्दी बोलो! देखो, मेरे पास टाइम नहीं। मीडिया वाले मेरे पीछे पड़े हैं। क्या चाहते हो?' 'कौन–सी? पेट भरने वाली या चुनाव जीतने वाली?' उसने मीडिया वालों की तरह मुझसे प्रश्न किया तो मैं सन्नाटे में रह गया। फिर किसी कुशल अदाकारा की तरह नैन मटकाते बोली, 'देखो वोटर लाल! हर चीज दो तरह की होती है। एक दिखाने वाली, दूसरे खाने वाली। तुम्हें कौन–सी चाहिए?' 'वोटर को कहां चुनाव सों काम! मैं तो पेट भरने वाली चीजों पर ही विश्वास करता हूं! जो जनता का पेट भर दे उसके लिए तो वही अमृत।' मैंने कड़वा सच कहा तो उसे पता नहीं क्यों मेरे देशभक्ति के पसीने से देशद्रोह की बू आई और मेरी तरफ से यों मुंह फेर लिया जैसे किसी की बड़े समय तक प्रेमिका रही किसी और से विवाह हो जाने के बाद सरे बाजार उससे मुंह फेर लेती है।

जन भागीदारी से बेहतर जल प्रबंधन की पहल

इसके साथ ही जल संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भूजल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि जल का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाए। वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण और पानी की बर्बादी को रोकना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। जल जीवन मिशन के जरिये देशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में विकसित करने का...

जलवायु परिवर्तन व भूजल स्तर में गिरावट आदि के चलते जलापूर्ति की चुनौती बढ़ी है। हरियाणा में ग्रामीण पेयजल प्रणालियों का संचालन और रखरखाव नीति 2026 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन का नया मॉडल प्रस्तुत किया गया है। जो जल जीवन मिशन के लक्ष्यों के अनुसार प्रदेश में सरकारी तंत्र संग समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर आधारित है। भारत में जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक जीवन का आधार है। सरकार द्वारा शुरू किए गए जल जीवन मिशन ने ग्रामीण भारत में हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें समुदाय की भागीदारी को खास महत्व दिया गया है। हरियाणा में इसी दृष्टि से ग्रामीण पेयजल प्रणालियों का संचालन और रखरखाव नीति 2026 लागू की गयी है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन के एक नए मॉडल को प्रस्तुत करती है। इस नीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि इसमें केवल सरकारी तंत्र ही नहीं, बल्कि ग्राम स्तर पर समुदाय की सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखा गया है। सरकार, ग्राम पंचायत, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति तथा जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन जैसे संस्थानों की साझेदारी से व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया गया है। वर्ष 1992 तक हरियाणा ने अपने सभी गांवों में पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की उपलब्धि हासिल कर ली थी। हालांकि, समय के साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। जलवायु परिवर्तन, भूजल स्तर में गिरावट, बढ़ती आबादी और संसाधनों पर बढ़ते दबाव के कारण जल प्रबंधन का विषय पहले से कहीं अधिक जटिल हो

गया है। इस व्यवस्था में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति गांव स्तर पर जल प्रबंधन की मुख्य इकाई के रूप में कार्य करती है। यह समिति ग्राम पंचायत के अंतर्गत कार्य करते हुए जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन, रखरखाव, निगरानी और राजस्व संग्रह की जिम्मेदारी निभाती है। समिति सुनिश्चित करती है कि गांव के प्रत्येक घर तक सुरक्षित और पर्याप्त जल आपूर्ति हो, और जल आपूर्ति प्रणाली में किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या उत्पन्न होने पर उसका समाधान समय पर किया जाए। साथ ही, इससे महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिलता है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। जब गांव के लोग स्वयं बिलिंग, निगरानी और रखरखाव की प्रक्रिया में भाग लेते हैं, तो पारदर्शिता व जिम्मेदारी बढ़ती हैं। ग्रामीण स्तर की इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में हरियाणा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में जल एवं स्वच्छता से संबंधित कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समुदाय को जागरूक करने, प्रशिक्षण देने और संस्थागत क्षमता विकसित करने का कार्य करता है। खास तौर से यह संगठन सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित जल उपयोग के प्रति जागरूक करता है। यह विभाग जलस्रोतों का विकास, पाइपलाइन नेटवर्क का निर्माण, जल शोधन संयंत्रों की स्थापना और भंडारण संरचनाओं का निर्माण जैसे तकनीकी कार्यों की जिम्मेदारी निभाता है। नई व्यवस्थाओं के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। यदि किसी गांव में जल आपूर्ति प्रणाली में कोई तकनीकी समस्या उत्पन्न होती है, तो विभाग के अधिकारी और अभियंता उसका समाधान करने में मदद करते हैं। जल प्रबंधन की सफलता के लिए वित्तीय स्थिरता भी आवश्यक है। जल आपूर्ति प्रणालियों के संचालन और रखरखाव के लिए निरंतर वित्तीय संसाधनों की जरूरत होती है। इसी उद्देश्य से उपयोगकर्ता शुल्क और जल बिलिंग प्रणाली को लागू किया गया है। जब उपभोक्ता अपने उपयोग के अनुसार जल शुल्क का भुगतान करते हैं, तो इससे जल योजनाओं के संचालन के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते हैं और प्रणाली लंबे समय तक सुचारु रूप से चलती रहती है। इसके साथ ही जल संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भूजल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि जल का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाए। वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण और पानी की बर्बादी को रोकना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। जल जीवन मिशन के जरिये देशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। जब गांव में हर घर तक स्वच्छ पानी पहुंचता है, तो महिलाओं और बच्चों का पानी लाने में लगने वाला समय बचता है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध होते हैं।

बेनामी संपत्ति ने बिगाड़ा नेपाली राजनीति का खेल

{ लामिछाने को पिछली सरकार के स्पीकर देवराज घिमिरे ने सस्पेंड कर दिया था, जब उन पर कोअश्वपरेटिव फ्रश्वड केस के साथ–साथ मनी लश्वन्ड्रिंग के आरोप लगे थे। जमानत पर रिहा होने के बाद, लामिछाने ने स्पीकर से संसदीय बैठकों में शामिल होने की इजाजत मांगी थी। सत्तारूढ़ आरएसपी के सांसद गणेश पराजुली की अध्यक्षता वाली कमेटी द्वारा एकमत से तैयार किए... }

पहले सुदन ने ऐलान किया था, 'मैं राजनीति नहीं करूंगा, मंत्री नहीं बनूंगा' वो 'आरएसपी' से टिकट लेकर गोरखा–एक से चुनाव लड़े, और मंत्री भी बने। जेन–जी के जो भी मंत्री एक–एक करके नप रहे हैं, वो बालेन्द्र शाह के विरुद्ध विभीषण की भूमिका नहीं निभाएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। नेपाल में गृहमंत्री पद त्याग चुके सुदन गुरुंग कुछ ऐसी बात बोल जाते थे, जो जेरे बहस होकर दूर तलक जाती। गुरुंग ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, 'जब आप गरीब पैदा होते हैं, तो यह आपकी गलती नहीं होतीय लेकिन अगर आप गरीब मरते हैं, तो यह आपकी गलती होती है। सरकार में शामिल होने से पहले धन कमाना पाप नहीं हैय सरकार में शामिल होने के बाद भ्रष्टाचार कर के धन कमाना पाप है।' सुदन गुरुंग का यह एक ऐसा फलसफा था, जो जैसे भी पैसा कमाने वालों को कुतर्क करने, और स्वयं को संतुष्ट करने का हथियार बन गया। जेन–जी की एक और स्टार व पेशे से इंजीनियर, रक्षा बम ने सुदन गुरुंग को सलाह दी, कि वे अपने बयान को सुधारें। उन्होंने कहा, 'जो लोग अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में असमर्थ हैं, उन्हें दोषी ठहराना आपके पद की गरिमा को कम करता है। फिल्मों के डायलॉग फिल्मों के लिए लिखे जाते हैं य असल जिंदगी अपने–आप में एक संघर्ष है।' सुदन गुरुंग का माजी जो लोग जानते हैं, उनका भी मानना है, कि जेन–जी आंदोलन के इस सुपर स्टार ने भयानक गरीबी देखी थी। अब अरबों की संपत्ति हो गई, तो गरीबी का मजाक उड़ा रहा है। नेपाल के गोरखा जिले में जन्मा 39 साल का सुदन गुरुंग, राजनीति में आने से पहले, पार्टियों और क्लबों में डीजे का काम किया करता था। फिर काठमांडू में कुछ लोगों से जुड़कर उसने 'ओएमजी' 'नाइटक्लब' चलाना शुरू किया। इन अनुभवों ने उसे बड़े इवेंट ऑर्गेनाइज करना, टीम मैनेज करना और कई तरह के लोगों से मिलना–जुलना सिखाया। 2015 के गोरखा भूकंप के बाद

उनकी जिंदगी बहुत बदल गई। सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके, सुदन ने वॉलंटियर्स जमा किये। सैकड़ों लोग खाना, रहने की जगह और मदद पहुंचाने के लिए उनके साथ जुड़ गए। यह ग्रुप बाद में 'हामी नेपाल' बना, जो युवाओं का संगठन है। 'हामी नेपाल' ने पहले आपदा राहत पर ध्यान दिया। धीरे–धीरे कम्युनिटी वर्क, यूथ ट्रेनिंग और सिविक प्रोजेक्ट्स में भी फैल गया। इसने बाढ़, भूस्खलन और कोविड–19 संकट के दौरान पीड़ितों की मदद की। सुदन गुरुंग की लीडरशिप में पूरे देश में युवा वॉलंटियर्स का एक मजबूत नेटवर्क बनाया। वर्ष 2025 के जेन–जी आंदोलन में, जब ओली सरकार ने सोशल मीडिया ब्लॉक कर दिया, तो 'हामी नेपाल' युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का एपीसेंटर बन गया, जिससे पता चला कि आपदा राहत से बना एक ग्रुप कैसे शांतिपूर्ण सिविक मूवमेंट चला सकता है। लेकिन, बात सिर्फ पोलिटिकल एक्टिविजम तक सीमित नहीं थी। इस संस्था के पास अथाह पैसे आना बहस का विषय बना। सुदन गुरुंग का गृह मंत्री बनना और मंत्रिपरिषद में वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले के बाद तीसरे नंबर पर रखा जाना, पार्टी में कई लोगों नागवार गुजरा। लोगों ने आपत्ति की, कि पहली बार मंत्री बने गुरुंग को इतना सीनियर पोजीशन नहीं देना चाहिए था। दो हफ्ते से भी कम समय में उनकी रैंक बदल दी गई। पहले नंबर पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, दूसरे नंबर पर वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले, तीसरे नंबर पर विदेश मंत्री शिशिर खनाल, चौथे नंबर पर ऊर्जा मंत्री बिराज भक्त श्रेष्ठ और पांचवे नंबर पर गृह मंत्री सुदन गुरुंग को रखा गया। यह भी आगे चलकर किरकिरी का कारण बना। सुदन गुरुंग गृह मंत्रालय के बहुत सारे आदेश इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिये दिये थे। पद संभालने की रात ही, उन्होंने कार्की कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन होम मिनिस्टर रमेश लेखक की गिरफ्तारी के लिए दबाव डाला। इस गिरफ्तारी से हंगामा मच गया। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, 'वादा तो वादा होता हैरू कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, यह किसी से बदला नहीं है, यह तो बस न्याय की शुरुआत है।' ओली और लेखक की गिरफ्तारी के तुरंत बाद पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का को भी गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, कोर्ट ने कानूनी आधार, और सबूतों की कमी का हवाला देते हुए गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को रिहा कर दिया। इसके बचाव में सुदन गुरुंग ने इंस्टाग्राम पर जवाब दिया, 'मुझे लगा था कि मंत्री बड़े हैं, अब जब कोर्ट बड़ा लग रहा है, तो मैं कानून की पढ़ाई शुरू करूंगा।' न्यायपालिका पर देश का गृहमंत्री इस तरह की टिप्पणी करे, वह शिष्टाचार की लक्ष्मण रेखा को पार करने वाला था। गृह मंत्रालय का मुखिया सोशल मीडिया पर अरेस्ट वारंट पोस्ट कर '1, 2, 3' कहकर अरेस्ट की गिनती करना शुरू कर दे, यह किसी को भी अजीब लग सकता है। सुदन गुरुंग ने ऐलान किया था, कि मंत्री बनने के बाद वे सरकारी गाड़ी नहीं चलाएंगे, मगर उन्होंने जो प्राइवेट गाड़ी चलाई, वह उस कंपनी की थी, जिसमें उन्होंने हवाला के पैसे लगाए थे। पहले सुदन ने ऐलान किया था, 'मैं राजनीति नहीं करूंगा, मंत्री नहीं बनूंगा' वो 'आरएसपी' से टिकट लेकर गोरखा–एक से चुनाव लड़े, और मंत्री भी बने। जेन–जी के जो भी मंत्री एक–एक करके नप रहे हैं, वो बालेन्द्र शाह के विरुद्ध विभीषण की भूमिका नहीं निभाएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। उधर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सर्वोच्च लीडरशिप का हाल 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं' जैसा है। इस पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने को वाशिंग मशीन में ड्राई क्लीन कर के कैसे 'परमहंस' बनाया जाये, इस वास्ते प्रतिनिधि सभा संचालन नियमावली मसौदा समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए आसान नहीं होगा पंजाब किंग्स से सामना

दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने के लिए शनिवार को होने वाले मुकाबले में तालिका में शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 47 रन से हार का सामना करने वाली दिल्ली के लिए वापसी की राह काफी चुनौतीपूर्ण होगी। इसके लिए उसके ज्यादातर खिलाड़ियों को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ दिल्ली फिलहाल अंकतालिका के छठे स्थान पर है, जबकि पंजाब किंग्स छह मुकाबलों में 11 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है। उनका एकमात्र अंक तब गया था जब कोलकाता में मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी में अस्थिरता रही है। केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ने कुछ पारियों में योगदान दिया है, लेकिन पूरी टीम एक साथ प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल से भी उम्मीद की जा रही है कि वह बल्ले और रणनीति दोनों में अधिक जिम्मेदारी निभाएं।

पिछले मैच में उनके कुछ निर्णयों पर भी सवाल उठे हैं, खासकर गेंदबाजी बदलावों को लेकर। विस्फोटक अभिषेक शर्मा के खिलाफ उन्होंने कामचलाऊ गेंदबाज नितीश राणा को लगातार इस्तेमाल किया, जो असरदार साबित नहीं हुआ। दिल्ली का क्षेत्ररक्षण भी चिंता का विषय रहा है। टीम ने कुछ मैचों में स्टंपिंग के मौके गंवाए, रन–आउट में गलतियां कीं और आसान कैच छोड़े, जिसका उसे काफी नुकसान हुआ है।

बल्लेबाजों की तुलना में गेंदबाजी इकाई अपेक्षाकृत बेहतर रही है, लेकिन शानदार लय में चल रहे पंजाब के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने के लिए उसमें अधिक आक्रामकता की जरूरत है। पंजाब किंग्स की टीम इस समय पूरी लय में नजर आ रही है। उन्होंने हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इस सत्र का सबसे बड़ा स्कोर, सात विकेट पर 254 रन, बनाया।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 211 रन बनाकर शानदार फॉर्म दिखाया है और तेज शुरुआत दी है।

कप्तान श्रेयस अय्यर भी 208 रन के साथ बेहतरीन लय में हैं। इसके अलावा प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली ने भी क्रमशः 211 और 223 रन बनाकर टीम की बल्लेबाजी को गहराई और आक्रामकता दी है। प्रियांश अपने घरेलू मैदान में एक और दमदार पारी खेलना चाहेंगे। गेंदबाजी में भी पंजाब संतुलित नजर आई है, जहां अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मार्को यानसन, विजयकुमार वैशाक और जेवियर बार्टलेट ने लगातार योगदान दिया है। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए पंजाब किंग्स इस मुकाबले में स्पष्ट रूप से प्रबल दावेदार हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स को अपनी उम्मीदें बनाए रखने के लिए कोई भी गलती करने से बचना होगा।

दिल्ली कैपिटल्सरू अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्सरू श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), विष्णु विनोद (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, कूपर कोनोली, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर।

अब एशियाड की भी मेजबानी करेगा भारत! पहले भी दो बार हो चुका है आयोजन

भारत ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की चाहत और 2030 एशियाड जापान के आइची–नागोया में 2030 में दोहा ओलंपिक भी यहीं होने की संभावना है। एशियाड को भी यहीं कराने की योजना होगी। चीन के सान्या में गुरुवार को ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया की कार्यकारी बोर्ड मीटिंग में भारत के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। ये तय हुआ कि ओसीए की टीम देश का दौरा करेगी।

आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने भारत की दिलचस्पी की पुष्टि की और कहा कि ओलंपिक संस्था ने इस महीने की शुरुआत में ओसीए अध्यक्ष कतर के शेख जोआन बिन हमद अल थानी को पत्र लिखा था। अय्यर ने द इंडियन एक्सप्रेस के हवाले से बताया कि, हम एशियन गेम्स को भारत में कराने के इच्छुक हैं। हम ओसीए से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें पत्र लिखकर अपनी दिलचस्पी बता चुके हैं। हम ओसीए से बातचीत करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के अधिकार मिलने के बाद अब भारत एशियाड कराने की भी इच्छा दिखा रहा है। इस महीने की शुरुआत में भारतीय ओलंपिक संघ ने ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया को 2038 में एशियाड की मेजबानी करने में दिलचस्पी को लेकर पत्र दिया। 2026 में और 2034 में रियाद में होगा।

बता दें कि, भारत ने 1951 में पहली बार एशियाड गेम्स की मेजबानी की थी। आखिरी बार इसका आयोजन 1982 में हुआ था। दोनों बार खेल नई दिल्ली में हुए थे। 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे। मेजबानी मिलने पर 2036

श्री रामसहाय हायर सेकेंडरी स्कूल रूधौली का परीक्षा परिणाम शानदार, सेजल राव ने 92 प्रतिशत के साथ किया टॉप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। श्री रामसहाय हायर सेकेंडरी स्कूल, थरौली का हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट (कक्षा 10 व 12) बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 का परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र में विद्यालय का नाम रोशन किया। हाईस्कूल वर्ग में विद्यालय की छात्रा सेजल राव ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं राज शेखर पांडेय ने 90 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं सूर्य प्रताप यादव ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्य प्रमुख सफल छात्र–छात्राओं में शोभित पांडेय (84 प्रतिशत), अर्पिता सिंह (82 प्रतिशत), आर्यन प्रताप (81 प्रतिशत), प्रियंशी सिंह (80 प्रतिशत), रानी चौरसिया (77 प्रतिशत), शौर्य पांडेय (77 प्रतिशत), श्रेया पांडेय (76 प्रतिशत), रत्ना मिश्रा (76 प्रतिशत), अनुपमा उपाध्याय (73 प्रतिशत) एवं जानवी उपाध्याय (73 प्रतिशत) शामिल हैं।

विद्यालय के निदेशक श्री विष्णु देव पाण्डेय एवं प्रधानाचार्य श्री राम चंद्र मिश्र ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के एमडी ओम शंकर पाण्डेय ने बच्चों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण अंकित यादव, सेजल, संजय यादव, अंशिका सिंह, राम सिंह, हिमांशु सोनी, .ष्ण कुमार शुक्ला एवं अब्दुल अहद सहित अन्य शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

53 बरस के हुए क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर, फैंस के साथ केक काट कर मनाया जश्न

क्रिकेट की दुनिया के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर

आज, 24 अप्रैल को अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनके फैंस उनके लिए लंबी उम्र की दुआ कर रहे हैं। सचिन का जन्मदिन उनके फैंस के लिए किसी उत्सव से कम नहीं है। सचिन ने भी इतने बड़े मौके पर अपने फैंस को निराश नहीं किया और उनके साथ जन्मदिन का केक काटा।

मुंबई में अपने घर के बाहर सचिन ने पत्नी अंजली संग केक काटा। इस दौरान उनके सामने उनके फैंस का हुजूम खड़ा था। जैसे ही सचिन ने केट काटा तालियों की गड़गड़ाहट गूंजने लगी। इस मौके पर सचिन के सबसे बड़े फैन सुधीर ने पीछे से तिरंगा लहराया और शंख भी बजाया।

साथ ही केक काटने के बाद सचिन अपने फैंस से मिलने और उनका शुक्रिया कहने को आगे आए और तभी भारत माता की जय का नारे लगने लगे। सचिन गहरे हरे रंग की शर्ट पहने हुए थे और उनकी पत्नी पीले रंग का सूट।

विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर द्वि–दिवसीय पुस्तक मेला आयोजित

प्रयागराज। विश्व पुस्तक दिवस 23 अप्रैल के अवसर पर बुकवाला, प्रयागराज द्वारा सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में द्वि– दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी– सह– विक्रय मेले का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन ज्ञान, पठन संस्कृति और बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रो. (डॉ.) बिस्वासरूप मेहरा, प्रो–वाईस चांसलर (प्रशासन) द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) रितु प्रकाश दुबे, प्रो–वाईस चांसलर (पीएमडी) एवं अध्यक्ष, पुस्तकालय सलाहकार समितिय प्रो. (डॉ.) नीरू बाला तथा प्रो. (डॉ.) दीपक कुमार बोस सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। अपने संबोधन में प्रो. (डॉ.) बिस्वासरूप मेहरा ने पुस्तकों को व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को नियमित पठन की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वयं प्रदर्शनी से पुस्तकें खरीदकर छात्रों को पढ़ने के लिए उत्साहित किया। वहीं, प्रो. (डॉ.) रितु प्रकाश दुबे ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम से इतर पुस्तकों का अध्ययन विद्यार्थियों में नवाचार, तार्किक सोच एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। इस पुस्तक मेले में शैक्षणिक, प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रेरणादायक साहित्य, सामान्य ज्ञान एवं विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों का व्यापक संग्रह प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष क्रिस्टोफर सुधीर जॉर्ज ने बताया कि विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस, जिसे यूनेस्को के तत्वावधान में मनाया जाता है, का उद्देश्य पठन–पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा बौद्धिक संपदा के प्रति जागरूकता फैलाना है।

जनसुनवाई समाधान पोर्टल पर जन शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हेतु अधिकारियों के साथ की गयी बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली जन शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ ही अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के उपस्थिति में बैठक की गयी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि जनता दर्शन, तहसील दिवस, आई0जी0आर0एस0, थाना समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाये, जिससे कि जन मानस की समस्याओं का ससमय निस्तारण हो सकें। उन्होंने कहा कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायातों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारी स्थल पर जाकर शिकायतकर्ता का फीडबैक प्राप्त करते हुए शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करें, निस्तारण के दौरान स्थल पर कार्यवाही सम्बन्धी जी0पी0एस0 फोटोग्रास अपलोड करना सुनिश्चित करें, सम्बन्धित अधिकारी प्रतिदिन आई0जी0आर0एस0 पोर्टल को लागिन करते हुए प्राप्त होने वाली शिकायतों का फीडबैक भी प्राप्त करते रहें और प्राप्त शिकायतों का निस्तारण भी ससमय कराना सुनिश्चित करें, अंतिम दिवस में शिकायतों के निस्तारण करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे रोहित यादव, डी0सी0 मनरेगा रविन्द्र वीर सिंह, सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

यूपी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में प्रयागराज ने हासिल किया तीसरा स्थान

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश ने बोर्ड के दसवीं और बारहवीं के नतीजे घोषित कर दिए ।

उत्तर प्रदेश में यूपी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में कुल सफल परीक्षार्थियों के मामले में प्रयागराज जनपद तीसरे स्थान पर है। भदोही पहले और आगरा का स्थान दूसरा है। प्रयागराज जिले में कुल 88,566 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें 84458 परीक्षार्थी सफल हुए है । इस तरह जनपद में 95.36 फीसदी रिजल्ट रहा है। प्रयागराज जिले में हाईस्कूल में अविका शर्मा ने जिले में पहला स्थान हासिल किया है।

प्रयागराज शहर के सेंट अंथोनी सीजे इंटर कॉलेज की छात्रा अविका शर्मा ने यूपी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में टॉप कर जिले का मान बढ़ाया है। अविका ने इस परीक्षा में 97.17 फीसदी अंक हासिल किए हैं। अविका बताती है कि वह विद्यालय से आने के बाद चार से पांच घंटे पढ़ाई करती थी । घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से उसे घर के काम काज में भी हाथ बटाना होता था। लेकिन टॉपर्स में उसका नाम आने के बाद उसकी मेहनत कामयाब हो गई।

अमेरिका–ईरान संघर्ष के बीच अजित डोभाल ने की ब्रिटेन के एनएसए से मुलाकात, किन मुद्दों पर हुई बातचीत?

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को अपने ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन पॉवेल के साथ विस्तार से बातचीत की। इस बातचीत का मुख्य जोर आतंकवाद, उग्रवाद और यूके से सक्रिय खालिस्तान समर्थक तत्वों से जुड़ी नई दिल्ली की चिंताओं को दूर करने पर था। अधिकारियों ने बताया कि अस्थिर भू–राजनीतिक माहौल को देखते हुए, दोनों पक्ष भारत–यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमत हुए। एनएसए डोभाल और पॉवेल ने पश्चिम एशिया की अस्थिर स्थिति और समुद्री सुरक्षा तथा व्यापार पर इसके प्रभाव को लेकर भी विचारों का आदान–प्रदान किया। अधिकारियों के अनुसार, डोभाल ने इस बात पर जोर दिया कि इस संघर्ष को

सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति ही एकमात्र आगे का रास्ता है। यह बातचीत वार्षिक भारत–यूके रणनीतिक संवाद के तहत हुई। ऊपर बताए गए अधिकारियों ने कहा कि दोनों एनएसए ने भारत–यूके विजन 2035 दस्तावेज में तय किए गए लक्ष्यों पर आगे बढ़ने के महत्व को दोहराया इन लक्ष्यों में दीर्घकालिक द्विपक्षीय रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद, उग्रवाद और खालिस्तान समर्थक तत्वों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं से निपटने के लिए सहयोग को और गहरा करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि डोभाल ने इन मामलों पर लगातार समर्थन के लिए यूके सरकार का धन्यवाद किया और दोनों पक्षों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग को और गहरा करके इस गति को बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। डोभाल और पॉवेल ने भारत–यूके टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव के तहत हुई प्रगति की भी समीक्षा की, और टेलीकॉम, महत्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में हासिल किए गए ष्कुछ महत्वपूर्ण परिणामोंष् का जिक्र किया। अधिकारियों ने बताया कि एनएसए डोभाल ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि **TSI** के तहत सहयोग से भुवनेश्वर, ओडिशा में **Clas&SiC Wafer Fab Ltd, UK** और भारत की **SiCSem Pvt- Ltd** द्वारा सिलिकॉन कार्बाइड–आधारित कंपाउंड सेमीकंडक्टर सुविधा स्थापित करना संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और उन्नत सामग्री के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए। उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्षों ने इस बात पर गौर किया कि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग ने अच्छी गति पकड़ी है, और यह महत्वपूर्ण है कि भारत–यूके रक्षा औद्योगिक रोडमैप के व्यापक ढांचे के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को और गहरा किया जाए।

गोलियों से दहला पाकिस्तान का खैबर, सेना का दावा– मारे 22 आतंकी, एक बच्चे की भी गई जान

पाकिस्तान के उत्तर–पश्चिमी इलाके में एक बड़े सुरक्षा अभियान के दौरान इस हफ्ते हुई जबरदस्त गोलीबारी में 22 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए। सेना के अधिकारियों ने पुष्टि की कि यह झड़प मंगलवार को हुई, जब सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने अफगानिस्तान के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक संयुक्त रणनीतिक अभियान शुरू किया।

यह मुठभेड़ तब शुरू हुई जब सुरक्षा कर्मियों ने सीमावर्ती जिले खैबर में एक अभियान शुरू किया। सेना की मीडिया विंग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को सशस्त्र विरोध

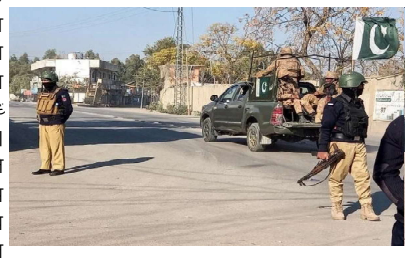

का सामना करना पड़ा, जिसके चलते ष्जोरदार गोलीबारीष् हुई। इस मुठभेड़ में 22 कथित आतंकवादी मारे गए, जो इस अशांत सीमावर्ती इलाके में शांति और स्थिरता लाने के चल रहे प्रयासों की दिशा में एक अहम कामयाबी है।

नागरिक के हताहत होने की खबर

इस ऑपरेशन का एक स्थानीय परिवार के लिए बेहद दुखद अंत हुआ। भीषण लड़ाई के दौरान, एक दस साल का बच्चा गोलीबारी की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। इस बच्चे की मौत ने लोगों का ध्यान उन खतरों की ओर खींचा है, जिनका सामना उन इलाकों में रहने वाले नागरिकों को करना पड़ता है, जहाँ सुरक्षा बल और उग्रवादी अक्सर एक–दूसरे से भिड़ते रहते हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने औपचारिक रूप से इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी और अपने कार्यालय के माध्यम से हुए नुकसान को स्वीकार किया। प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों द्वारा की गई बिना किसी उकसावे वाली गोलीबारी में 10 साल के एक बच्चे की शहादत पर दुख व्यक्त किया।

सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा का संदर्भ

खैबर जिला, अफगानिस्तान के साथ लगी सीमा पर एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है। वर्षों से, पाकिस्तानी सरकार ने उन सशस्त्र गुटों के प्रभाव को कम करने के लिए सैन्य अभियान चलाने की रणनीति अपनाई है, जो इस क्षेत्र की ऊबड़–खाबड़ भौगोलिक बनावट का लाभ उठाना चाहते हैं। जहाँ एक ओर अधिकारी यह मानते हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने के लिए ये अभियान अत्यंत आवश्यक हैं, वहीं दूसरी ओर हाल ही में एक नाबालिग की मृत्यु ने इस क्षेत्र में व्याप्त सुरक्षा माहौल की अस्थिर प्रकृति को उजागर कर दिया है।

प्रारूप पर सूचना 10 मई तक उपलब्ध करायें

जौनपुर । जिला ग्रामोद्योग अधिकारी वी0के0 सिंह ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष में ''खादी एवं ग्रामोद्योग पुरस्कार योजना'' के अन्तर्गत विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना में जिन उद्यमियों की इकाई विगत तीन वर्षों से स्थापित तथा निरन्तर कार्यरत है एवं अधिक से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर रही है। विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। कार्यरत इकाईयों द्वारा दिये प्रारूप पर सूचना 10 मई तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय मतापुर में उपलब्ध करा सकते हैं, प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर पुरस्कार हेतु गठित चयन कमेटी के माध्यम से चयन कार्यवाही की जायेगी। विशेष जानकारी हेतु मोबाइल नम्बर 7905349119 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

समाजवादी पार्टी ने नगर निगम उपचुनाव में झोंकी ताकत

प्रयागराज। आगामी 5 मई को अलोपीबाग वार्ड 48 में नगर निगम की रिक्त सीट के लिए होने वाले उपचुनाव में समाजवादी पार्टी से घोषित प्रत्याशी दीप प्रकाश सोनकर के लिए समाजवादी पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। आज हैजा हास्पिटल डॉट पुल के पास महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन, महासचिव रवीन्द्र यादव रवि, शहर उत्तरी के प्रत्याशी रहे संदीप यादव और पूर्व सांसद धर्मराज पटेल ने फीता काट कर कार्यालय का उद्घाटन किया। नेता द्वय ने कहा अखिलेश यादव ने पीडीए से प्रत्याशी उतार कर साफ संकेत दे दिया है कि अब पीडीए को हक मिल कर रहेगा और दीप प्रकाश सोनकर को विजयश्री प्राप्त होगी। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, महानगर महासचिव रवीन्द्र यादव एडवोकेट, पूर्व सांसद धर्मराज सिंह पटेल, अमरनाथ सिंह मौर्या, एमएलसी डॉ मान सिंह यादव, पूर्व प्रत्याशी संदीप यादव, शशांक त्रिपाठी, श्रीमती निर्मला यादव, प्रतिमा रावत, अंकिता श्रीवास्तव, सविता कैंथवास, निरंजन सोनकर, बीरेंद्र सोनकर, सैयद मो. हामिद, मो सऊद, दिलीप यादव, जय शंकर रावत, अनुपम रावत,मनोज सिंह लोकेश, जीतेन्द्र यादव जीतू, अरुण यादव,, देवी लाल यादव, कृपा शंकर बिन्द, सुधीर निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

शगुन और गोपाल दास क्लब को मिली जीत

प्रयागराज। क्रिकेट स्कूल शगुन क्लब और गोपाल दास क्लब ने अपने–अपने मुकाबले जीतकर डीआरएम कप अंडर–14 कलर ड्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। डीएसए मैदान पर बुधवार रात खेले गए मैच में श्री सहायक क्लब ने 22 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन (राजवीर शर्मा 55 नाबाद, हर्ष 3ध्23, स्वयं 2ध्18) बनाए। जवाब में क्रिकेट स्कूल शगुन क्लब ने 22 ओवर में 8 विकेट पर 113 रन (मोहम्मद इशात 40, नाबाद, मलाहत हुसैन 15 नाबाद, स्वयं 14, अविक्षित यादव 13, अनुराग 3ध्20, ऋषभ सोनी व कात्यानी पाठक एक–एक विकेट) बना लिए। हर्ष को रणजी क्रिकेटर राकेश मिश्र ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। सुबह खेले गए मैच में भवम क्लब ने 25 ओवर में 7 विकेट पर 151 रन (अमृतांश यादव 63 नाबाद, आदित्य सक्सेना 23, मोहम्मद इस्माइल 21, शिवेंद्र सिंह 3ध्42, यशस्वी मिश्रा, युवराज शुक्ला, शिवम यादव व नरहरि दीक्षित एक–एक विकेट) बनाए। जवाब में गोपाल दास क्लब ने 22 ओवर में चार विकेट पर 152 रन (शिवेंद्र सिंह व यशस्वी मिश्रा 33–33, ईशान यादव 29 नाबाद, अभिनंदन 20, आदित्य सक्सेना, मोहम्मद इस्माइल एक–एक विकेट) बना लिए। शिवेंद्र सिंह को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए एक सप्ताह पूर्व अनुमति अनिवार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने शहर में महिला क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए अब एक सप्ताह पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया है। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक आरपी भटनागर ने बताया कि किसी भी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट को एसोसिएशन से संबद्ध कराने के लिए आयोजक को एक सप्ताह पूर्व टूर्नामेंट का विवरण प्रस्तुत करना होगा। इसमें टूर्नामेंट का नाम, भाग लेने वाली टीमों के नाम, आयु वर्ग तथा प्रस्तावित प्रारंभ तिथि शामिल होगी। आवेदन पत्र एफिलिएशन शुल्क के साथ एसीए की निदेशक एवं वित्त समिति की अध्यक्ष, डॉ. जूली ओझा के पास जमा करना होगा। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि महिला क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करने की अनुमति देने का अधिकार केवल डॉ. जूली ओझा के पास होगा। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध टीमों के विवरण एवं खिलाड़ी का एसीए से रजिस्ट्रेशन के सत्यापन के बाद ही टूर्नामेंट आयोजित करने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के संबद्ध इकाइयों/क्लबों को महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन प्रीमियर लीग प्रारूप में करने की अनुमति नहीं होगी।

नवागत मुख्य विकास अधिकारी ने संभाला कार्यभार, टीम वर्क पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में 2023 बैच के आईएएस अधिकारी एवं नवागंतुक मुख्य विकास अधिकारी सुनील धनवंता ने 23 अप्रैल 2026 को अपरान्ह 04रू00 बजे विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद विकास भवन सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सुनील धनवंता ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि कार्यालय में संबंध "अधिकारी और अधीनस्थ" का नहीं, बल्कि "टीम" का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि "कोई भी बड़ा लक्ष्य अकेले हासिल नहीं किया जा सकता, टीम भावना से काम करने वाले ही हमेशा सफल होते हैं।" उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे अपने–अपने कार्य का जिम्मेदारी से निर्वहन करें। उनका कहना था कि "मैं अकेला कुछ नहीं

कर सकता, लेकिन अगर हर व्यक्ति अपना छोटा–सा हिस्सा ठीक से निभा दे, तो परिणाम बेहतरीन होंगे।" सीडीओ ने अपने कार्यकाल के लिए मूल मंत्र भी दिया. उन्होंने कार्यालयों में अनावश्यक भीड़ से बचने की सलाह देते हुए विशेषकर खंड विकास अधिकारियों (ठक्ए) को निर्देशित किया कि कार्य प्रणाली को सुव्यवस्थित रखें, ताकि काम में तेजी और पारदर्शिता बनी रहे। स्वच्छता और कार्यशैली पर जोर देते हुए सुनील धनवंता ने कहा कि किसी अधिकारी की गंभीरता और कार्य के प्रति सजगता उसकी फाइलों और कार्यालय की व्यवस्था से झलकती है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने कार्यालयों को साफ–सुथरा रखें तथा फाइलों को क्रमबद्ध तरीके से व्यवस्थित करें। पूर्व मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यालय एवं सभागार की बेहतर व्यवस्था एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ती है और इसे बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही, सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनसमस्याओं का निस्तारण समयबद्ध और प्रभावी तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

बेजुबानो की प्यास बुझाने के लिए आगे आई राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सरोकारों में बड़बड़ कर शामिल रहने वाली राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद के संस्थापक व अध्यक्ष अंकित शुक्ला के नेतृत्व में भीषण गर्मी के इस दौर में जहां इंसान ठंडे पानी की व्यवस्था कर राहत महसूस कर रहा है वहीं बेजुबान पशु–पक्षी बूंद–बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं। ऐसे समय में संस्था द्वारा संचालित हर घर नाद एवं दाना पानी अभियान समाज के सामने एक प्रेरणादायक और मानवीय उदाहरण बनकर उभरा है। इस अभियान का उद्देश्य घर–घर के बाहर पानी के बर्तन (नाद) रखवाकर पशु–पक्षियों के लिए पानी की समुचित व्यवस्था करना है और इस वर्ष इसे और व्यापक स्तर पर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। संगठन के अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने बताया कि श्हर घर नादश केवल एक सेवा नहीं, बल्कि समाज में जीवों के प्रति संवेदनशीलता जगाने का अभियान है। हर घर नाद आइए करें शंखनाद, अब कोई मूक जीव नहीं रहेगा प्यासा जैसे प्रेरक संदेश के साथ यह पहल तेजी से जन–जन तक पहुंच रही है। पिछले तीन वर्षों से निरंतर चल रहे इस अभियान के अंतर्गत संगठन द्वारा घर–घर पहुंच कर सेवा भी दी जा रही है, जिसके तहत नाद सीधे लोगों के घर तक पहुंचा रहे हैं। संगठन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान से जुड़कर अपने घर के बाहर नाद रखवाएं और बेजुबान जीवों की प्यास बुझाने में योगदान दें। नाद रखवाने हेतु इच्छुक व्यक्ति सीधे संपर्क कर सकते हैं। 7068444747 तेज धूप में प्यासे बेजुबान ज़िम्मेदारी लोगों के आग्रह पर निःशुल्क नाद। बाकी पानी भरने व रख–रखाव की जिम्मेदारी दी अब तक संगठन द्वारा 380 से अधिक नाद रखवाए जा चुकी है एक छोटा सा प्रयास, किसी की जिंदगी बचा सकता है आइए, इस गर्मी में मानवता का परिचय दें। लोगो ने ऐसे संगठन की प्रशंसा की कहां जनपद व प्रदेश की पहली संस्था जो निस्वार्थ भाव से मानव सेवा से लेकर पशुओ सेवा का ध्यान रखकर सेवा करते है ऐसे लोगो सलाह इस दौरान संगठन के सदस्य अखिल रावत शिवम सिंह मोहित गोपाल अमन सिंह सत्यम अनिल अनीश आयुष रोहन कार्तिक विमल आदि लोग शामिल हुए।

सीवर एवं जल लाइन कार्यों का स्थलीय निरीक्षण,गुणवत्ता पूर्ण कार्य के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। आदर्श नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' के निर्देशन में शहर में चल रहे सीवर लाइन एवं जल आपूर्ति से जुड़े कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने जल निगम के अधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्रत्येक क्षेत्र में कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ सम्पन्न किया जाए और जब तक एक स्थान का काम पूरी तरह संतोषजनक रूप से पूरा न हो,तब तक आगे के कार्यों की

शुरुआत न की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अधूरा कार्य स्वीकार नहीं किया जाएगा और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। अध्यक्ष प्रतिनिधि ने यह भी कहा कि सीवर और जल लाइन जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है,ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने मौके पर मौजूद इंजीनियरों को निर्देशित किया कि समयबद्ध तरीके से कार्यों को पूर्ण करते हुए नियमित मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर वैभव पटेल (सहायक अभियंता),अरविन्द कुमार (जूनियर इंजीनियर),पवन कुमार सिंह (जूनियर इंजीनियर),राजन कन्नौजिया (एसकेसी के इंजीनियर) एवं सुनील कुमार (एसकेसी फर्म के इंजीनियर) सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के बाउण्ड्रीवॉल के टेण्डर में धांधली का आरोप

पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री से किया मानक विहीन टेण्डर निरस्त कराने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र देकर कार्यदायी संस्था उ.प्र. आवास एवं विकास परिषद द्वारा बस्ती मण्डल में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के बाउण्ड्रीवॉल के निर्माण में मानकों को दरकिनार कर निकाले गये टेण्डर की उच्चस्तरीय कमेटी गठित करके जांच कराकर टॅण्डर को निरस्त कर पुनः निष्पक्ष तरीके से टेण्डर निकालने का आग्रह किया है। विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने बताया कि इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा को संलग्न पत्र भेजकर जांच के बाद नियमानुसार कार्यवाही का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा है कि कार्यदायी संस्था उ.प्र. आवास एवं विकास परिषद द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय–रामनगर, सल्टौआ, रुधौली में बाउण्ड्रीवॉल के निर्माण में टेण्डर प्रकिया में नियमों को अनदेखा कर अपने चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए अलग–अलग नियम के

माध्यम से टेण्डर निकाला गया है। जिसकी उच्चस्तरीय जांच है। जबकि अन्य जिलों में इसी विभाग द्वारा हर ब्लाक का टेण्डर अलग–अलग क्रमांक से निकाला गया है। बस्ती जिलें में ठेकेदार एवं विभाग की मिलीभगत से सभी टेण्डरों को सामूहिक निकाला गया है। जो नियम विरूद्ध कराकर कार्यवाही कराकर टेण्डर को निरस्त कराकर पुनः मानक पूर्वक टेण्डर कराया जाना आंवश्यक है। उन्होने मानकों को दरकिनार कर निकाले गये टेण्डर की उच्चस्तरीय कमेटी गठित करके जांच कराकर टेण्डर को निरस्त कर पुनः निष्पक्ष तरीके से टेण्डर निकालने हेतु आदेशित करने का आग्रह किया है।

प्रधानों का विशाल सम्मेलन आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर पंचायत विकास मंच व प्रधान संघ के संयुक्त तत्वावधान में गोलवाघाट स्थित मां कमलादेवी पब्लिक स्कूल में प्रधानों का विशाल सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बहराइच व श्रावस्ती के सैकड़ों प्रधान शामिल हुए। मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि ग्राम प्रधान लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता है। प्रधानों ने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। सम्मेलन में प्रधानों के कार्यकाल, पंचायत चुनाव समय से कराने तथा मनरेगा भुगतान जल्द जारी करने की मांग उठाई गई। कार्यक्रम में विभिन्न पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

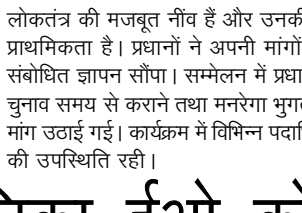

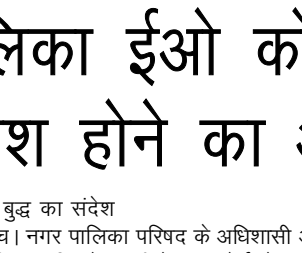

बहराइच नगर पालिका ईओ कोर्ट में तलब, 6 मई को पेश होने का आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी प्रमिता सिंह को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट ने तलब किया है। सीजेएम नीलम सरोज ने मामले की सुनवाई करते हुए 6 मई को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि हमजापुरा के सभासद द्वारा दायर वाद में म्प्रमिता सिंह पर शपथपत्र पर हस्ताक्षर न करने का आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही यह भी आरोप है कि याचिकाकर्ता के खिलाफ गलत तरीके से एफआईआर दर्ज कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीजेएम ने जांच की जिम्मेदारी जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी को सौंपी है। न्यायालय ने डीएम को निर्देश दिए हैं कि वे मामले की निष्पक्ष जांच कर 6 मई तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इस घटनाक्रम से नगर पालिका प्रशासन में हलचल मच गई है और सभी की निगाहें अब आगामी सुनवाई पर टिकी हैं।

कार्यालय : नगर पालिका परिषद- सिद्धार्थनगर, जनपद- सिद्धार्थनगर

(अल्पकालीन निविदा सूचना)

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में राज्य वित्त आयोग/निकाय निधि अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों हेतु नगर पालिका कार्यालय द्वारा अल्प कालीन निविदा दिनांक 14/05/2026 को समय बजे तक जिलाधिकारी कार्यालय के एल०बी०सी० पटल पर पर आमंत्रित किया जाता है। जो उसी दिनांक को समय 3.00 बजे अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), सिद्धार्थनगर के समक्ष उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों हेतु निविदा डाल सकता है। निर्माण कार्य से सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर प्राप्त किया जा सकता है। कार्य का विवरण निम्नवत है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि (रू0 लाख)	जमानत धनराशि (10 प्रतिशत)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर सीमार्गत विभिन्न मार्गो पर जी०एस०बी० का कार्य।	9.90	99000.00	990.00	कार्यादेश की तिथि से तीन माह के भीतर
2	दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड में खडंजा रोड़ से जयराम पाण्डेय के घर तक मिट्टी व इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	8.53	85300.00	860.00	
3	नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर मोहल्ला दीनदयाल नगर में पिच रोड़ से सी.एच.सी. हारिपटल तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	6.48	64800.00	650.00	
4	नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर मोहल्ला दीनदयाल नगर में पी.डब्लू.डी. रोड़ से सत्येन्द्र पाण्डेय के घर तक नाली एवं इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	9.99	99900.00	1000.00	

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक : 421(ii)/न0पा0परि0सि0न0/2025–26 | दिनांक : 24.04.2026

आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने किया "चाय एण्ड चैप्टर्स" लाइब्रेरी का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के विकास भवन परिसर स्थित शक्ति कैफे में शुक्रवार को "अरगा ज्ञान गंजरू चाय एण्ड चौप्टर्स" पहल का सफल शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत अब जनपद के युवाओं को सुरक्षित,शांत एवं सुविधाजनक वातावरण में बैठकर अध्ययन करने के लिए एक उपयुक्त स्थान उपलब्ध हो गया है ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आयुक्त,देवीपाटन मंडल दुर्गा शक्ति नागपाल उपस्थित रहीं,जिन्होंने फीता काटकर लाइब्रेरी का उद्घाटन किया ।इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी भी उपस्थित रहीं ।आयुक्त ने जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी की इस अभिनव पहल की सराहना की ।इस दौरान कमिश्नर डीएम और सीडीओ ने हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में उत.ष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं को मेडल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, डायरी एवं पेन भी भेंट किए ।कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं से बात करते हुए आयुक्त ने कहा कि "चाय की चुस्की के साथ ज्ञान की राह" जैसी पहलें समाज में सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देती हैं तथा महिलाओं एवं युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं ।उन्होंने इसे सामाजिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रभावी प्रयास बताया ।उन्होंने कहा कि सभी

बच्चों की सफलता में उनके अलावा उनके अभिभावकों का भी काफी योगदान है ।उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने तथा जीवन के प्रत्येक लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया ।इस दौरान उन्होंने कहा कि जनपद की युवाओं को पढ़ने के लिए अच्छी और सुरक्षित जगह मिली है ।सभी छात्र–छात्रायें अपने जीवन के हर लक्ष्य को प्राप्त करें ।डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि विकास भवन परिसर में स्थापित इस लाइब्रेरी से विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा ।उन्होंने बताया कि शक्ति कैफे में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध है,जिससे छात्र–छात्राएं अध्ययन के साथ–साथ स्वास्थ्य का भी ध्यान रख सकेंगे ।उन्होंने यह भी कहा कि यह लाइब्रेरी सभी विद्यार्थियों के लिए खुली है और कोई भी यहां आकर अध्ययन कर सकता है ।मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने कहा कि इस लाइब्रेरी के निर्माण से छात्र–छात्राओं को शांत एवं अनुकूल वातावरण में अध्ययन करने की सुविधा प्राप्त हुई है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया।

कम अंक मिलने से आहत हाईस्कूल छात्रा ने दी जान, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के देहात कोतवाली क्षेत्र के भीटी भदवाल गांव में हाईस्कूल परीक्षा परिणाम से निराश एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। 21 वर्षीय रूपा गुप्ता ने परीक्षा में 77.33 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे, लेकिन अपने तय लक्ष्य 80 प्रतिशत से अधिक अंक न आने से वह गहरे अवसाद में चली गईं। परिजनों के अनुसार, गुरुवार देर रात रूपा ने घर के बरामदे में जहरीला पदार्थ खा लिया। बरामदे में गिरती हुई रूपा को उनकी भाभी ने देखा और तुरंत परिवार को सूचना दी। आनन–फानन में परिजन उसे गोंडा मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रास्ते में रूपा ने अपनी भाभी से हाथ जोड़कर माफी भी मांगी थी। बताया गया कि रूपा ने हाईस्कूल परीक्षा में 600 में से 464 अंक प्राप्त किए थे। विभिन्न विषयों में उसे ए और बी ग्रेड भी मिले थे, इसके बावजूद वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं थी। परिवार के लोगों का कहना है कि वह 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने का लक्ष्य बनाकर पढ़ाई कर रही थी। रूपा श्री कुंज बिहारी स्मारक इंटर कॉलेज, सुभागपुर पंडरी . पाल की छात्रा थी। वह अपने तीन भाइयों में सबसे छोटी थी। डेढ़ वर्ष की उम्र में ही उसके पिता राधेश्याम गुप्ता का निधन हो गया था, जिसके बाद मां सुमिरता और भाइयों ने मिलकर उसका पालन–पोषण और पढ़ाई कराई। मां सुमरिता ने रोते हुए बताया कि रूपा ने परिणाम आने के बाद कहा था, "मम्मी मैं फेल हो गई हूं, अब नहीं पढ़ूंगी।" जबकि वह आगे इंटरमीडिएट तक पढ़ाई कर नौकरी करने का सपना देख रही थी। परिवार में 26 अप्रैल को भाई का गौना कार्यक्रम होना था, जिसकी तैयारियां चल रही थीं, लेकिन इस घटना से खुशियां मातम में बदल गईं। देहात कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि प्रथम .ष्टया मामला परीक्षा परिणाम से निराश होकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में आदर्श चौधरी ने किया नाम रोशन, 92.33 प्रतिशत अंक हासिल कर बने विद्यालय टॉपर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गन्ना विकास इण्टर कॉलेज मुण्डेरवा के छात्र आदर्श चौधरी ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में उत.ष्ट प्रदर्शन करते हुए 92.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र सिंह ने आदर्श चौधरी की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल छात्र की मेहनत का परिणाम है, बल्कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का भी फल है। उन्होंने बताया कि आदर्श शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं और उन्होंने अपनी लगन व अनुशासन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। आदर्श चौधरी पुत्र प्रदीप चौधरी जो ग्राम धौरहरा गोचना, पोस्ट मुण्डेरखा के निवासी हैं, ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों और परिवार के सदस्यों आदर्श चौधरी के बड़े पिता हरिशंकर चौधरी व विजय कुमार चौधरी (अध्यापक) को दिया है। उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन और शिक्षकों के मार्गदर्शन से उन्हें यह सफलता मिली। विद्यालय परिवार ने भी इस अवसर पर आदर्श चौधरी को सम्मानित किया।

प्रतिबंधित खदान क्षेत्र में घुसे कबाड़ चोर,तीन गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बीना पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार शाम लगभग 3रू00 बजे प्रतिबंधित खदान क्षेत्र में चोरी के नियत से घुसे कबाड़ चोरों को प्रबंधन की मदद से पुलिस ने घर दबोचा। सूचना मिलने पर पहुंचे बीना चौकी प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने तीन लोग को गिरतार कर अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है ।बीना परियोजना में तैनात सिक्योरिटी विभाग के नरेंद्र कुमार ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि गुरुवार शाम लगभग 3रू00 बजे पुराना सीएचपी में चोरी की नियत से कबाड़ चोर घुसे हुए थे। बीना चौकी प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तीन लोग को गिरतार कर अन्य लोगो की तलाश की जा रही है ।सूत्रों की माने तों बीना .ष्णशिला क्षेत्र कें प्रतिबंधित खदान क्षेत्र में बिना सत्यापन के एक खदान से दूसरे खदान चार पहिया वाहन लेकर कबाड़ व डीजल चोर भी सक्रिय हो गए हैं ।सिक्योरिटी विभाग द्वारा रात कें अँधेरे मेंचार पहिया वाहन लेकर भाग रहे एक व्यक्ति कों पकड़ने की कोशिश करने की बात सामने आ रही है ।पुलिस कें मुताबिक तीन लोगो के साथ संदिग्धों कों हिरासत में लेकर जांच की जा रही है। फरार आरोपियों की तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है।

आनलाईन आवेदन शादी की तिथि के 90 दिन पूर्व तथा 90 दिन पश्चात तक करना होगा अनिवार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद के समस्त अन्य पिछडे वर्ग अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर के आवेदकों को सूचित किया जाता है कि पिछडा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजनान्तर्गत आनलाईन पोर्टल पर आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। शादी हेतु अनुदान योजना के अन्तर्गत आवेदक द्वारा आनलाईन आवेदन शादी की तिथि के 90 दिन पूर्व तथा 90 दिन पश्यात तक करना अनिवार्य है। आवेदकों द्वारा आवेदन किये जाने हेतु अभिलेखों की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया किइ आवेदक एवं पुत्री दोनों के आधार कार्ड मोबाइल नम्बर से लिंक होनी चाहिए। ओ०टी०पी० सत्यापन हेतु आवेदक का जाति प्रमाण–पत्र, आवेदक का आय प्रमाण–पत्र। शहरी क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र हेतु बार्षिक 1,00,000.00 (एक लाख) से अधिक न हो, शादी का कार्ड, वर का आयु प्रमाणपत्र, अनुदान प्राप्त करने हेतु एक परिवार से अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा, बैंक पासबुक। (जो सी०बी०एस० शाखा का होना चाहिए एवं आधार से लिंक होना चाहिए। उन्होंने बताया कि आवेदक समस्त अभिलेखों के साथ विभागीय वेबसाइट ृइंबाूंतकूमसतिम.नच.पद पर स्वयं अथवा सहज जन सेश केन्द्र के माध्यम से आनलाईन आवेदन कर सकते है। शादी अनुदान योजनान्तर्गत प्रति लाभार्थी 20 हजार की धनराशि देय है। उक्त योजना के सम्बन्ध में अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी विकास भवन लोडी कमरा नम्बर 37 में सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त किया जा सकता है। उक्त सूचना जनहित में जारी।

विश्व हिन्दू महासंघ ने लेंसकार्ट शो रूम कर्मचारियों को लगाया तिलक, बांधा कलावा, लगे जय श्रीराम के नारे

लेंसकार्ट अपना विवादित निर्णय वापस ले– अखिलेश सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के साथ महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने कम्पनीबाग के निकट स्थित लेंसकार्ट शो रूम पर पहुंचकर कर्मचारियों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर कलावा बांधने के साथ ही शोरूम के अंदर लगे ब्रांड के पोस्टरों पर भी तिलक लगाया। इस दौरान शो रूम के अंदर 'जय श्री राम' के नारे भी लगाए गए। महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि उनका विरोध लेंसकार्ट द्वारा लागू की गई विवादित ड्रेस कोड नीति के खिलाफ है। उन्होने प्रबंधन पर एक धर्म को दूसरे के ऊपर बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुये कहा, यह एक हिंदू राष्ट्र है, अगर मालिक माफी नहीं मांगते हैं, तो लेंसकार्ट का या तो बहिष्कार किया जाएगा या इसके सभी आउटलेट बंद करा दिए जाएंगे। कहा कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों को कार्यस्थल पर बिंदी और तिलक लगाने से मना किया था, जबकि हिजाब पहनने की अनुमति दी थी। इसे स्वीकार्य नहीं किया जायेगा। लेंसकार्ट अपना नियम तत्काल प्रभाव से वापस ले। कम्पनीबाग स्थित लेंसकार्ट शो रूम पर पहुंचकर कर्मचारियों के माथे पर तिलक लगाने और कलावा बांधने के दौरान मुख्य रूप से विश्व हिन्दू महासंघ के विवेक श्रीवास्तव, सौरभ तिवारी, सुनील मिश्रा, बाल.ष्ण सिंह, सौरभ चतुर्वेदी, दीप नारायण सिंह, अभय चौधरी, अमरदीप श्रीवास्तव, रंजीत यादव, रितिक कुमार, शिवम मिश्रा, अभिषेक वर्मा, राम सजीवन चौधरी, सुमित शुक्ला, वशिष्ठ मुनि दुबे, हीरा सेठ, सुमित शुक्ला, अजीत पाल, बजरंगी शर्मा, अमन, वैभव, अनूप आदि शामिल रहे।

गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में किया गया परिवर्तन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ने अवगत कराया है कि माह मई 2026 हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। ध्रुव गुप्ता अपर आयुक्त के उपर्युक्त निर्देश के अनुपालन में जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को संसूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 योजनान्तर्गत माह मई 2026 के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति कार्ड वर्तमान में गेहूं की मात्रा 10 किग्रा, चावल का मात्रा 25 किग्रा0 है। इसी प्रकार से पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति यूनिट गेंहूँ वर्तमान में 01 किग्रा0 तथा चावल का मात्रा वर्तमान में मात्रा 04 किग्रा0 निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि .ष्टिगत जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत पात्रता सूची में सम्मिलित समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्ड धारको को सूचित किया जाता है कि माह फरवरी 2026 हेतु अन्त्योदय योजना के कार्डधारक प्रति कार्ड 35 किग्रा0 चावल एवं 10 किग्रा0 गेहूँ तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारक प्रति यूनिट 04 किग्रा0 चावल एवं 01 किग्रा0 गेहूँ संबंधित उचित दर की दुकान से निःशुल्क प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उक्त निःशुल्क वितरण में हो रही किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में जिला पूर्ति कार्यालय अथवा संबंधित उपजिलाधिकारी कार्यालय या विभागीय टोल फ्री नम्बर 1800–1800–150 पर की जा सकती है। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि वह माह फरवरी 2026 के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण करना सुनिश्चित करें। वितरण में प्राप्त किसी भी प्रकार की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

गमह्न बढ़ते ही बिजली की कटौती का दौर हुआ शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में गर्मी बढ़ते ही बिजली की कटौती का दौर शुरू हो गया है ।विद्युत विभाग के जिम्मेदार द्वारा विद्युत आपूर्ति को लेकर की गई तैयारियो पर सवाल और वादों की पोल खोलता बीते रात्रि 23/24 अप्रैल की रात्रि में लगभग 7 बजे सायं को कटौती क्या हुआ की रात्रि को 2 बजे आपूर्ति हो सकी इससे आवास विकास विद्युत उपकेंद्र अन्तर्गत कई मोहल्लों में भीषण गर्मी के चलते लोग परेशान दिखे ।लोगों का कहना था की स्मार्ट मीटर तो लग गया लेकिन स्मार्ट विद्युत सप्लाई की व्यवस्था नहीं हो पाई ।वहीं विद्युत विभाग के द्वारा विद्युत आपूर्ति को लेकर सारी तैयारियां फेल नजर आ रही थी ।यह हाल सिर्फ एक उपकेंद्र की नहीं है ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्युत सप्लाई यथातथा रूप में आती जाती है ।रात्रि में लोगों द्वारा कन्ट्रोल रूम पर कॉल करके जानकारी करने की कोशिश की तो पता चला की फाल्ट होने पर विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है जल्द ही सप्लाई दी जाएगी।

सिविल बार एसोसिएशन की शपथ ग्रहण समारोह 27 अप्रैल को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सिविल बार एसोसिएशन दुद्धी, सोनभद्र का शपथग्रहण समारोह 27 अप्रैल को डा० राजेन्द्र प्रसाद सभागार में आयोजित किया गया हैं। उक्त आशय की जानकारी देते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी राकेश कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट ने बताया कि शपथग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री संजीव गोंड़ होंगे जबकि विशिष्ट अतिथियों में अपर कमिशनर डॉ विश्राम यादव,जिलाधिकारी चर्चित गौड़,बार कौंसिल उ० प्र० के पूर्व सदस्य विनोद पाण्डेय,भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, सदर विधायक भूपेश चौबे, पूर्व विधायक हरिराम चेरो,चेयरमैन कमलेश मोहन होंगे जबकि शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता एमएलसी आशुतोष सिन्हा करेंगे। सहायक चुनाव अधिकारी सुखसागर यादव, मनोज मिश्रा,मोहर सिंह एवं विनोद वर्मा ने बताया कि शपथग्रहण समारोह दोपहर करीब 12 बजे शुरू होगी। वर्ष 2026 –27 की कार्यकारिणी में अध्यक्ष रामलोचन तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव तथा सचिव अंजनी सिंह की टीम शपथग्रहण समारोह में हिस्सा लेगी।

चेकिंग अभियान में दुद्धी पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 20 पेटी अवैध बीयर के साथ 1 गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिले में अवैध मादक पदार्थ/शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन,अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के निकट पर्यवेक्षण में दुद्धी पुलिस द्वारा को एक अहम सफलता प्राप्त गई ।गुरुवार शाम को वाहन चेकिंग अभियान के दौरान म्योरपुर रोड स्थित तहसील तिराहा (सब्जी मंडी) के पास संदिग्ध कार वाहन संख्या ै। 04 ।ᄃ 0266 को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 20 पेटियों में कुल 480 कैन (लगभग 240 लीटर) अवैध किंगफिशर बीयर बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग घ्80,000 आंकी गई है ।पुलिस ने मौके से 01 अंतर्राज्यीय बीयर तस्कर को गिरतार किया गया। पूछताछ में बिहार निवासी आरोपी विशाल साहनी पुत्र विजय साहनी बोचहा थाना जनपद मुजफरपुर पुर से तस्करी संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है, जिसके आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। उक्त प्रकरण में थाना दुद्धी पर मु0अ0सं0 117/2026 धारा 60/63/72 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजी.त कर विधिक कार्यवाही प्रचलित है। गिरतारी/बरामदगी पुलिस टीम में उ0नि0 श्यामजी सिंह यादव, हे0का0 सर्वेश कुमार सिंह व लक्ष्मण शंकर यादव थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र शामिल रहे।

सीएचसी में एच आर पी कैंप का आयोजन, गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) कैंप में कुल 51 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के दौरान सात गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क श्रेणी में चिन्हित किया गया, जिन्हें विशेष निगरानी और उपचार की सलाह दी गई। कैंप में महिला चिकित्सक डॉ. अराधना ने सभी महिलाओं की विस्तृत जांच की। इस दौरान खून की कमी (एनीमिया) से पीड़ित 6 गर्भवती महिलाओं को आयरन सुक्रोज चढ़ाया गया, ताकि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके और गर्भावस्था के दौरान संभावित जटिलताओं को कम किया जा सके ।डॉ. अराधना ने बताया कि हाई रिस्क गर्भावस्था में समय–समय पर जांच और सही उपचार बेहद जरूरी होता है। उन्होंने महिलाओं को संतुलित आहार लेने, नियमित जांच कराने और डॉक्टर की सलाह का पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्भावस्था के दौरान किसी भी असामान्य लक्षण पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की ।इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की टीम भी मौजूद रही, जिन्होंने गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वच्छता और सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूक किया। कैंप के आयोजन से क्षेत्र की महिलाओं को काफी लाभ मिला और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

बलात्कार व एससी/एसटी एक्ट सहित गंभीर अपराध में वांछित 01 अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर सिंह के निकट पर्यवेक्षण तथा थाना रॉबर्ट्सगंज के नेतृत्व में जघन्य अपराधों में वांछित अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा प्रभावी घेराबंदी करते हुए थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजी.त मु0अ0सं0 249/2026, धारा 64(1), 333, 115(2), 352 एवं 351(3) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 3(2)(5), 3(1)(द), 3(1)(ध) एससी/एसटी एक्ट से संबंधित प्रकरण में वांछित अभियुक्त सूरज कश्यप पुत्र गुलाब, निवासी वार्ड नं0–10 हमीद नगर पूरब मोहल्ला, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र को 24.04.2026 को घुवास मोहल्ला क्षेत्र से गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

भूत बंगला बॉक्स ऑफिसः अक्षय कुमार की 21वीं फिल्म 100 करोड़ी क्लब में शामिल, पीछे छूटे शाहरुख–सलमान

बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई करते हुए, भूत बंगला पहले सप्ताह के अंत तक दर्शकों को आकर्षित कर रही है. कॉमेडी और हल्के डरावने सीन के कारण फिल्म को फैमिली ऑडियंस के बीच अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है. अक्षय कुमार और प्रियदर्शन का लगभग 16 साल बाद एक साथ आना भी इस फिल्म की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण है. भूत बंगला ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ी क्लब में एंट्री कर ली है और इसी के साथ भूत बंगला अक्षय कुमार के फिल्मी करियर की 21वीं 100 करोड़ी फिल्म बन गई है.

पहले दिन (शुक्रवार) को इसने 12.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शानदार उछाल दर्ज किया, जिसके बाद सप्ताहांत में भी इसकी कमाई में शानदार वृद्धि हुई. शनिवार को इसने 19 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को 23 करोड़ रुपये की कमाई के साथ पहले वीकेंड का कुल कलेक्शन लगभग 58 करोड़ रुपये तक पहुंच गया. अधिकांश फिल्मों की तरह, पहले सोमवार को इसकी कमाई में गिरावट आई और इसने 6.75 करोड़ रुपये कमाए, लेकिन मंगलवार को इसमें थोड़ी तेजी आई और इसने 8 करोड़ रुपये कमाए.

छठे दिन (बुधवार) को, भूत बंगला ने 6.15 करोड़ रुपये कमाए, जो पिछले दिन की तुलना में 23.1 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है. फिल्म उस दिन भारत में 11,584 शो में प्रदर्शित हुई और दर्शकों की संख्या अच्छी बनी रही. इसके साथ ही, फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 78.90 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि ग्रॉस कलेक्शन 105.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.

विदेशों में, फिल्म ने छठे दिन 2 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे इसका कुल विदेशी कलेक्शन 33.50 करोड़ रुपये हो गया. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कमाई को मिलाकर, ग्लोबल कलेक्शन अब 127.37 करोड़ रुपये हो गया है. गौरतलब है कि फिल्म ने रिलीज के सिर्फ चार दिनों के भीतर ही वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था, जो इसकी शुरुआती सफलता का संकेत है.

भूत बंगला अक्षय कुमार के 3 दशक से लंबे करियर की 21वीं 100 करोड़ी फिल्म बन गई है. जबकि सलमान खान 18 फिल्में दे चुके हैं. इस लिस्ट में शाहरुख खान और अजय देगवन एक्टर से बहुत पीछे हैं. हाउसफुल 2, रुस्तम, राउडी राठौड़,जॉली एलएलबी 2, हॉलीडे, टॉयलेट एक प्रेमकथा, एयरलिफ्ट, गोल्ड,हाउसफुल 3, केसरी, 2.0, मिशन मंगल, ओएमजी 2, स्काई फोर्स, केसरी चौप्टर 2, जॉली एलएलबी 3, और सूर्यवंशी शामिल हैं. लेकिन अक्षय कुमार की कोई भी फिल्म आजतक 500 करोड़ रुपये का कलेक्शन नहीं कर सकी है. धुरंधर 2 से कड़ी टक्कर के बावजूद, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रही है. रणवीर सिंह स्टारर एक्शन फिल्म बड़े पैमाने पर बनी है. वहीं भूत बंगला ने अपनी अलग पहचान बनाई है, खासकर उन पारिवारिक दर्शकों के बीच जो हल्के–फुल्के मनोरंजन की तलाश में हैं. रिकॉर्ड की बात करें तो, भूत बंगला ने 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में तेजी से अपनी जगह बना ली है. सिर्फ छह दिनों में ही यह साल की टॉप फिल्मों में से एक बन गई है.

अल्लू अर्जुन की राका में कम हुआ दीपिका पादुकोण का रोल? निर्माताओं ने तोड़ी चुप्पी

अल्लू अर्जुन की फिल्म राका अपने ऐलान के बाद से चर्चाओं में बनी हुई है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता की पहली झलक जारी की जिसने लोगों को और उत्साहित कर दिया। हाल ही में खबरें आईं कि फिल्म में मुख्य किरदार निभा

रहीं दीपिका पादुकोण की भूमिका को कम किया गया है। इसका कारण उनकी प्रेग्नेंसी को बताया गया, लेकिन इन चर्चाओं पर खुद राका निर्माताओं ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

उन्होंने पुष्टि की, सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण राका में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, और शूटिंग सेट पर भरपूर जोश के साथ सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। बता दें, दीपिका ने 19 अप्रैल को अपने पति रणवीर सिंह के साथ अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। रिपोर्ट्स में कहा गया कि अभिनेत्री काम से ब्रेक नहीं लेंगी और प्रेग्नेंसी के दौरान काम करती रहेंगी।

के अनुसार, दीपिका राका में कुछ एक्शन से भरपूर दृश्यों की शूटिंग करेंगी। इसके लिए सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि एटली के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। फिलहाल राका के अलावा, दीपिका को शाहरुख खान की फिल्म किंग में भी देखा जाएगा। यह एक्शन थ्रिलर इसी साल क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म वीर शिवाजी में रितेश देशमुख–जेनेलिया डिसूजा के बेटे का डेब्यू, ट्रेलर में दिखी झलक

रितेश देशमुख द्वारा निर्देशित और अभिनीत ऐतिहासिक फिल्म वीर शिवाजी चर्चा में है। फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें अभिनेता छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आए। इसमें मराठा योद्धाओं के शौर्य की गाथा को बखूबी पेश किया गया है। एक और कारण है जो ट्रेलर

को बेहद खास बनाता है। दरअसल, इस फिल्म से रितेश और जेनेलिया डिसूजा के बेटे ने अपना डेब्यू किया है। उनकी झलक ट्रेलर में दिखती है।

वीर शिवाजी के ट्रेलर की शुरुआत में युवा छत्रपति शिवाजी महाराज को दिखाया जाता है, जो स्वराज्य के बारे में बात करते हुए नजर आते हैं। इस किरदार को रितेश और जेनेलिया के 10 साल के बेटे, राहिल देशमुख ने निभाया है, जिनका जन्म 2016 में हुआ था। ट्रेलर में उनकी मासूमिय और अभिनय ने फैंस का मन मोह लिया है। यह उनका फिल्मी दुनिया में पहला कदम है, जो देशमुख परिवार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। वीर शिवाजी में रितेश और जेनेलिया के अलावा, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, भाग्यश्री और फरदीन खान जैसे सितारे अहम किरदारों में हैं। मुंबई में आयोजित ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में रितेश ने पुष्टि की कि सलमान खान भी इसमें एक दमदार कैमियो करेंगे। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की मुगलों के खिलाफ जीत और उनकी रणनीतिक शक्ति को समर्पित है। इसका बजट कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये के ऊपर बताया गया है। फिल्म 1 मई को रिलीज होगी।

रणबीर कपूर की रामायण अंग्रेजी संस्करण में देगी दस्तक, रिलीज पर आया ये अपडेट

रणबीर कपूर की पौराणिक महाकाव्य रामायण 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से है। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और अभिनेता की पहली झलक कुछ दिन पहले जारी

हुई थी। कुछ दिन पहले सुपरस्टार यश ने इसकी रिलीज पर कहा था कि यह अक्टूबर, 2026 के आखिरी हफ्ते में आ सकती है। अब, द फिथियन ग्रुप एलएलसी के संस्थापक पार्टनर जॉन फिथियन ने फिल्म के अंग्रेजी संस्करण की रिलीज पर बात की है।

कुछ दिन पहले, जॉन ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट साझा करते हुए रामायण की तारीफ की थी और सिनेमाकॉन, 2026 में फिल्म के वैश्विक प्रदर्शन का हिस्सा बनने को याद किया था। जब प्रशंसकों ने उनसे फिल्म के अंग्रेजी संस्करण की रिलीज पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा, अभी तय नहीं है। अंतरराष्ट्रीय वितरण और मार्केटिंग को लेकर इस हफ्ते बैठकें होंगी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में यह व्यापक रूप से उपलब्ध होगी। अंग्रेजी संस्करण 8 नवंबर को रिलीज हो सकता है।

जॉन ने पुष्टि नहीं की, लेकिन 8 नवंबर को अंग्रेजी संस्करण रिलीज होने का संकेत जरूर दिया है। यह तारीख फिल्म निर्माताओं द्वारा 2026 की दिवाली पर फिल्म को रिलीज किए जाने की योजना से मेल खाती है। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित फिल्म रामायणरू भाग 1 में रणबीर को श्रीराम के किरदार में देखा जाएगा और माता सीता के किरदार में साई पल्लवी दिखेंगी। वहीं यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। इसका दूसरा भाग दिवाली, 2027 में रिलीज होगा।

क्या रोजाना 7–8 घंटे की नींद लेना है जरूरी ? जानिए

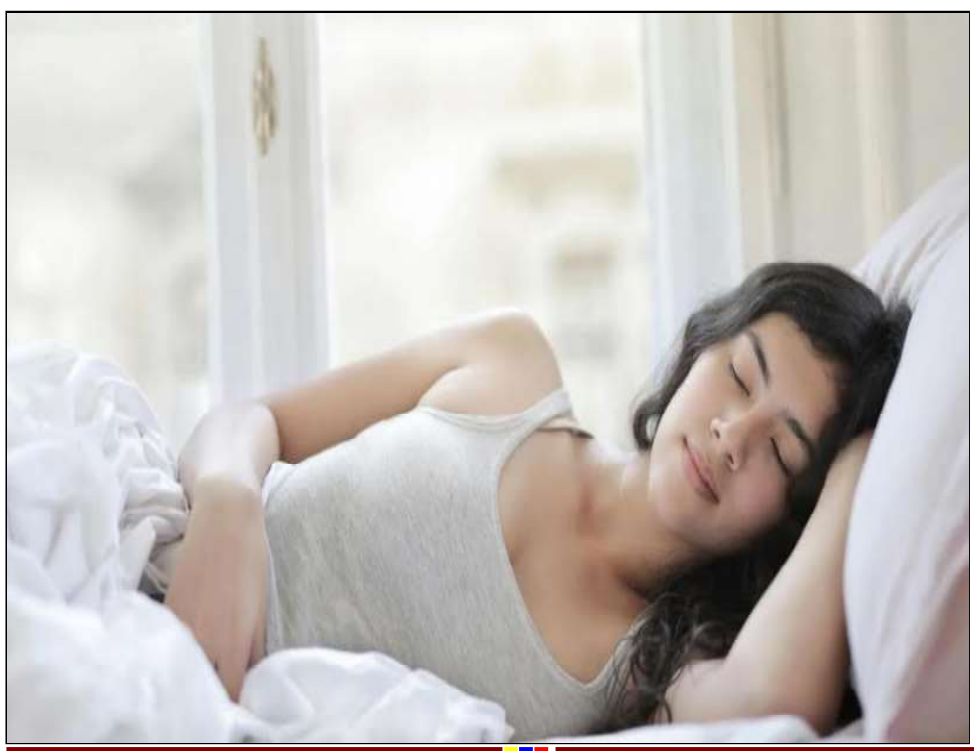

नींद हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है, जिसे अक्सर हम नजरअंदाज कर देते हैं। कामकाज या अन्य कारणों की वजह से कई लोग पर्याप्त नींद नहीं ले पाते, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना 7–8 घंटे की नींद लेना कितना जरूरी है? यह लेख आपको बताएगा कि क्यों हमें इतनी नींद लेनी चाहिए और इसके क्या फायदे हो सकते हैं। सही मात्रा में नींद लेने से हम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं।

मिलती है भरपूर ऊर्जा

पर्याप्त नींद लेने से हमारे शरीर को ऊर्जा मिलती है। जब हम अच्छी नींद लेते हैं, तो हमारा शरीर खुद को ठीक कर पाता है और नई ऊर्जा प्राप्त करता है। इससे हम दिनभर ताजगी महसूस करते हैं और हमारी काम करने की क्षमता भी बढ़ती है। इसके अलावा अच्छी नींद लेने से हमारा मूड भी बेहतर रहता है, जिससे हम अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं और अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य में सुधारः नींद हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती है। जब हम ठीक से सोते हैं तो हमारा दिमाग बेहतर तरीके से काम करता है। इससे हमारी याददाश्त मजबूत होती है और हम अधिक ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। इसके अलावा अच्छी नींद लेने से तनाव कम होता है और मन शांत रहता है, जिससे हम अपने विचारों को स्पष्टता से समझ पाते हैं। इस तरह पर्याप्त नींद लेने से हमारा मानसिक स्वास्थ्य सुधारता है।

रोग से लड़ने की क्षमता बढ़ाना

पर्याप्त नींद लेने से हमारी रोग से लड़ने की क्षमता भी मजबूत होती है। जब हम अच्छी नींद लेते हैं, तो हमारा शरीर बीमारियों से लड़ने में सक्षम होता है और हम जल्दी ठीक हो पाते हैं। इससे हम स्वस्थ रहते हैं और सकारात्मक महसूस करते हैं। इस तरह पर्याप्त नींद लेना हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

वजन संतुलित रखना

पर्याप्त नींद वजन संतुलित रखने में भी मदद करती है। जब हम ठीक से सोते हैं तो हमारी भूख नियंत्रित रहती है और हम अधिक खाने से बचते हैं। इससे हमारा वजन संतुलित रहता है और मोटापे के जोखिम कम होते हैं। इसके अलावा अच्छी नींद लेने से हमारे शरीर की ऊर्जा का स्तर भी बेहतर होता है, जिससे हम अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। इस तरह पर्याप्त नींद लेना हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

लंबे समय तक स्वस्थ रहनाः पर्याप्त नींद लेना लंबे समय तक स्वस्थ रहने के लिए बहुत जरूरी है। नियमित रूप से 7–8 घंटे सोने वाले लोग अधिक सक्रिय रहते हैं और उन्हें उम्र संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि रोजाना 7–8 घंटे की नींद लेना कितना जरूरी है। इसे नजरअंदाज न करें और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि आप शारीरिक और मानसिक दोनों ही रूपों में स्वस्थ रह सकें।